Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 25
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
रविवार, 01 फरवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

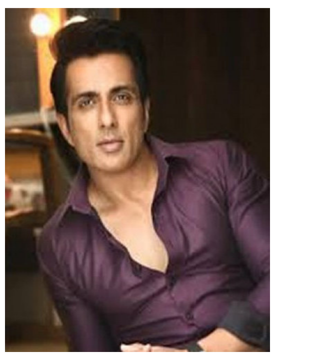

3 कानूनी शिक्षा और व्यावहारिक न्यायालयीन...
4 ट्रंप या पुतिन नहीं, हमारी सोच है परेशानियों ...
7 सेमीफाइनल का टिकट पक्का करने उतरेगी ...

संक्षिप्त न्यूज

इसरो-नासा की तीसरी आंख का कमाल, निसार ने बादलों को चीरकर ली तस्वीर

नई दिल्ली। नासा ने बताया कि अमेरिका-भारत के एनआईएसएआर पृथ्वी-अवलोकन उपग्रह से प्राप्त उच्च-रिज़ॉल्यूशन रडार छवि ने दक्षिणपूर्वी लुइसियाना में मिसिसिपी नदी डेल्टा क्षेत्र को कैद किया है, जिससे संयुक्त राज्य अमेरिका के सबसे जटिल भू-भागों में से एक में शहरी क्षेत्रों, आर्द्रभूमि, जंगलों और कृषि भूमि के सूक्ष्म विवरण सामने आए हैं। निसार नासा और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (आईएसएआर) का एक संयुक्त मिशन है, जो पृथ्वी विज्ञान और उपग्रह अनुसंधान में अमेरिका-भारत के दीर्घकालिक सहयोग को दर्शाता है। छवि की स्पष्टता इतनी है कि इसमें लेक पोंटचार्ट्रेन कॉज़वे को स्पष्ट रूप से पहचाना जा सकता है, जो केंद्र के ठीक दाईं ओर दिखाई दे रहा है। ये दोनों पुल लगभग 24 मील, या 39 किलोमीटर तक फैले हुए हैं, जो इन्हें जल के ऊपर बना विश्व का सबसे लंबा निरंतर पुल बनाते हैं।

एल बैंड माइक्रोवेव तरंगों पर काम करता है निसार सैट

निसार में इस्तेमाल । बैंड रेडार माइक्रोवेव तरंगों पर काम करता है। करीब 24 सेंटीमीटर की तरंगें बादलो को बिना किसी रुकावट के पार करती है और नीचे मौजूद जमीन, पेड़ो, इमारतों और पानी की सतह से टकराकर वापस सैटलाइट तक पहुंचती है। इसी डेटा से रंगीन और सटीक नक्शे तैयार होते हैं। निसार को 30 जुलाई 2025 को श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया गया था।

नासा का कहना है कि निसार का डेटा आपदा प्रबंधन, खेती, जगलो और वेटलैंड्स की सुरक्षा, इन्फ्रास्ट्रक्चर की स्थिति पर नजर रखने में बेहद मददगार होगा। इसका डेटा वैज्ञानिकों और नीति-निर्माताओं के लिए बड़ा हथियार साबित हो सकता है। यह सैटलाइट हर 12 दिन में दो बार धरती की जमीन, पर्वतों और बर्फीले इलाको की निगरानी करता है।

बंगाल में अमित शाह ने कार्यकर्ताओं को दिया मंत्र

50% से अधिक वोट शेयर के साथ बनाएंगे सरकार

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी विधानसभा चुनावों में उत्तर बंगाल की सभी विधानसभा सीटों पर शानदार जीत हासिल करेगी। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक सभा को संबोधित करते हुए शाह ने आरोप लगाया कि राज्य में ममता बनर्जी सरकार के अधिकारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के संचालन में चुनाव आयोग का सहयोग नहीं कर रहे हैं। शाह ने कहा एसआईआर में ममता बनर्जी के अधिकारी चुनाव आयोग के साथ सहयोग नहीं कर रहे हैं। लेकिन भारतीय जनता पार्टी एसआईआर का समर्थन कर रही है, और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि मतदाता सूची को यहां शुद्ध किया जाए। हम चुनाव आयोग को पूरा सहयोग देंगे। चुनावी तूफान की भविष्यवाणी करते हुए शाह ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा 'उत्तर बंगाल की सभी सीटों पर जीत हासिल करेगी', और दावा किया कि

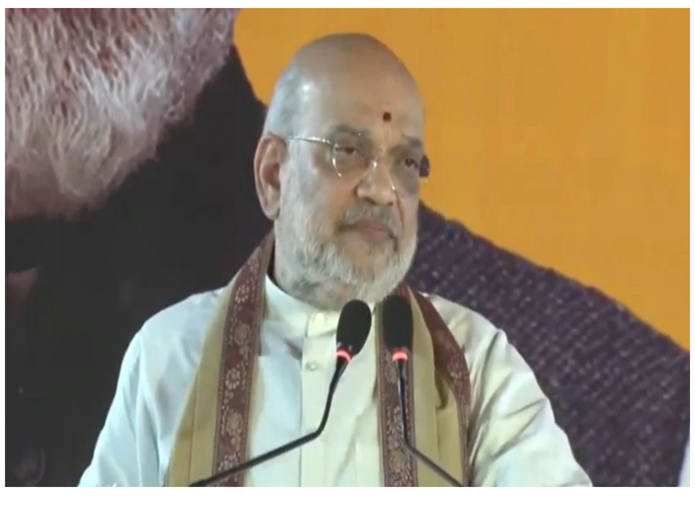

लोग टीएमसी के सिंडिकेट राज और भ्रष्टाचार से तंग आ चुके हैं।

अमित शाह ने आगे कहा 2026 के चुनावों में हमें तृणमूल कांग्रेस सरकार को पूरी तरह उखाड़ फेंकना होगा। उन्होंने बंगाल को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। मैं आज आपसे कह रहा हूं कि 2026 का साल बंगाल के लिए बदलाव का साल होगा, रूपांतरण का साल होगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार से ज्यादा भ्रष्ट सरकार भारत में कोई नहीं है। वरिष्ठ नेता ने कहा कि मैं बिना किसी संकोच के कह सकता हूँ कि इस देश में बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार से अधिक भ्रष्ट कोई सरकार नहीं है। ममता दीदी कहती हैं कि भ्रष्टाचार नहीं है।

ममता दीदी, आपने भ्रष्टाचार को संस्थागत रूप दे दिया है। आप अपने भतीजे के प्रति प्रेम में अंधी हो गई हैं; आपको भ्रष्टाचार दिखाई नहीं दे रहा है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की अंतिम तिथियों की घोषणा अभी बाकी है, लेकिन उम्मीद है कि चुनाव इस साल मई तक संपन्न हो जाएंगे।

सुनेत्रा अजित पवार ने रचा इतिहास

महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बनीं

मुंबई। राजनीतिक गलियारों से बड़ी खबर अंततः सुनेत्रा पवार ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण कर ली है। राजभवन में उपमुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया, जहां राज्यपाल ने सुनेत्रा पवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस समारोह में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेता उपस्थित थे। सुनेत्रा पवार को महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बनने का गौरव प्राप्त हुआ है।

इस बीच, उपमुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह से पूर्व मुंबई में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सभी विधायकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सुनेत्रा पवार को पार्टी का समूह नेता चुना गया, जिसके बाद उन्होंने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। समूह नेता चुने जाने के बाद सुनेत्रा पवार ने अपनी राज्यसभा सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया।

अजित पवार का विमान एक भीषण दुर्घटना का शिकार हो गया था, जिसमें अजित पवार का निधन हो गया। उनके निधन के बाद यह प्रश्न उठ रहा था कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का नया समूह नेता कौन होगा और नया उपमुख्यमंत्री किसे बनाया जाएगा। अब इस प्रश्न का उत्तर मिल गया है। सुनेत्रा पवार ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण कर ली है। आज राज्यपाल ने राजभवन में उन्हें उपमुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई, जिससे वह महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बन गईं। इससे पहले उन्हें राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का समूह नेता भी चुना गया था।

सुनेत्रा पवार समूह नेता चुनी गईं

मुंबई में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सभी विधायकों की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक में पार्टी के सभी विधायक और वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक में दो प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। पहला प्रस्ताव सुनेत्रा पवार को समूह नेता चुने जाने के संबंध में था, जबकि दूसरा प्रस्ताव पार्टी से जुड़े सभी निर्णय लेने का संवैधानिक अधिकार उन्हें देने से संबंधित था।

भाजपा की जीत का दावा कर बोले गोयल

डीएमके के भ्रष्टाचार और तमिल विरोधी संस्कृति से जनता नाराज

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि तमिलनाडु के लोग द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) से तंग आ गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह एक अक्षम और 'भयंकर भ्रष्ट' सरकार है और यह पूरी तरह से तमिल विरोधी संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तमिलनाडु चुनाव प्रभारी पीयूष गोयल ने कहा कि राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए जीत कठिन नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा कि तमिलनाडु चुनाव में भाजपा को अभिनेता विजय को बुलाने की जरूरत नहीं है, क्योंकि फिल्म सितारे आते हैं और चले जाते हैं, और चुनाव पर उनका कोई खास असर नहीं होता।

'डीएमके सरकार अक्षम और महा भ्रष्ट'

न्यूज एजेंसी 'पीटीआई' के साथ इंटरव्यू में गोयल ने कहा, डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ विरोध की भावना है। यह एक अक्षम और महा भ्रष्ट सरकार है। (तमिलनाडु के मुख्यमंत्री) स्टालिन पूरी तरह से तमिल विरोधी संस्कृति और भारत विरोधी रुख का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि डीएमके के अपने सहयोगियों के साथ मतभेद भी दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे पूरी उम्मीद है कि एआईएडीएमके के नेतृत्व वाला एनडीए (जिसमें भाजपा भी शामिल है) गठबंधन यह चुनाव जीतने जा रहा है ।

ट्रंप का ये अहसान 100 सालों तक नहीं भूलेगा भारत, मोदी का तहलका !

नई दिल्ली। अगर सवाल पूछा जाए कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में भारत के लिए अच्छे थे या दूसरे कार्यकाल में तो आप बिना देर लगाए जवाब देंगे कि डोनाल्ड ट्रंप जब पहली बार राष्ट्रपति बने थे तभी वह भारत के लिए अच्छे थे। क्योंकि उस समय उन्होंने जमकर भारत की तारीफ की थी। पाकिस्तान को खूब सुनाया था। लेकिन आपको बता दें कि ऐसा सोचने वाले ज्यादातर लोग गलत हैं। दरअसल सच यह है कि डॉनल्ड ट्रंप भारत के लिए अब ज्यादा अच्छे साबित हो रहे हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप भारत के लिए एक बड़ा कूटनीतिक खजाना साबित हो रहे हैं। ट्रंप अपनी अकड़, अपने अहंकार और अपनी गलतफहमी से भारत को एक बड़ी सुपर पावर बनाने जा रहे हैं। ट्रंप ने उस वर्ल्ड ऑर्डर को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया है जो सेकंड वर्ल्ड वॉर से चला आ रहा था। अगर डॉनल्ड ट्रंप अपने सनकी और गुस्सैल रवैया से मौजूदा वैश्विक सिस्टम को नहीं तोड़ते तो दुनिया वैसे ही चलती रहती जैसे दशकों से चली आ रही है। डॉनल्ड ट्रंप की वजह से ही अब भारत दुनिया की इकलौती उम्मीद बन गया है।

इसका सबसे बड़ा उदाहरण हाल ही में देखने को मिला जब इजराइल ने ऐतिहासिक फैसला लेते हुए यह ऐलान कर दिया कि वह अगले 10 सालों में अमेरिका पर अपनी सैन्य और आर्थिक निर्भरता को खत्म करने की कोशिश करेगा। इसी के साथ इजराइल ने यह भी ऐलान कर दिया कि वह भारत के साथ एक बड़ा फ्री ट्रेड एग्रीमेंट साइन करेगा। इजराइल अपने बड़े-बड़े हथियारों की प्रोडक्शन भी भारत में शिफ्ट करने पर विचार कर रहा है और यह सब कुछ डोनल्ड ट्रंप के अहंकार की वजह से ही हो रहा है।

27 जनवरी को जिस तरह से यूरोपियन यूनियन ने भारत के साथ मदर ऑफ ऑल डील्स यानी एक बड़ा फ्री ट्रेड एग्रीमेंट साइन किया तो उसने भारत को दुनिया के मंच पर सबसे ऊपर बैठा दिया। यह वही यूरोप है जो दशकों से भारत का अपमान करता आ रहा है। भारत को थर्ड वर्ल्ड कंट्री बोलता आ रहा है। लेकिन आज यही यूरोप लॉन्ग लिव इंडिया के नारे लगा रहा है। यूरोप को द्वितीय विश्व युद्ध से ही यह लगता आ रहा है कि वह दुनिया में सबसे ताकतवर है। उसकी सेना और अर्थव्यवस्था सबसे आगे है। ट्रंप ने सिर्फ 3 महीनों में यूरोप की यह गलतफहमी दूर कर दी। डॉन्ड ट्रंप की धमकियों के बाद यूरोप को पता चला कि वह कितना कमजोर हो चुका है। यूरोप अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए भारत से डील कर रहा है। यहां तक कि जब डॉन्ड ट्रंप ने डेनमार्क के अधिकार वाले ग्रीनलैंड पर कब्जे की बात कही तब भी यूरोप कुछ नहीं कर पाया।

संघीय ढांचे में विश्वास जगाएं, कर्नाटक के मंत्री ने केंद्र सरकार को दी नसीहत

बैंगलुरू। केंद्रीय बजट 2026 से पहले, कर्नाटक के कानून मंत्री एच.के. पाटिल ने भारत की संघीय संरचना को मजबूत करने और सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने के लिए बजट की आवश्यकता पर बल दिया। पाटिल ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से संघीय निकायों में विश्वास जगाने और केंद्र द्वारा सभी पहलुओं पर ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने सवाल उठाया कि बजट में दक्षिण भारत, विशेष रूप से कर्नाटक के साथ निधि आवंटन को लेकर कथित अन्याय को कैसे दूर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कर्नाटक भारत सरकार के कोष में महत्वपूर्ण योगदान देता है, लेकिन उसे 15इ से भी कम निधि प्राप्त होती है। एएनआई से बात करते हुए पाटिल ने कहा, 'महत्वपूर्ण यह है कि यह बजट संघीय ढांचे में लोगों का विश्वास कैसे जगाएगा और भारत में सहकारी संघवाद वास्तव में कैसे काम करेगा। पिछले छह महीनों में हमने दक्षिण भारत, विशेषकर कर्नाटक के साथ हो रहे अन्याय के बारे में बहुत कुछ सुना है। जिस राशि का आश्वासन दिया गया था, वह नहीं दी गई; उचित आवंटन नहीं किया गया... भारत सरकार के कोष में हमारे योगदान का 15इ से भी कम हिस्सा कर्नाटक को कैसे मिल सकता है? निर्मला सीतारमण इसका

क्या जवाब देंगी? अंततः, उन्हें संघीय निकायों में यह विश्वास जगाना होगा कि वे सभी पहलुओं का ध्यान रख रहे हैं... भारत सरकार को इस मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए। मंत्री ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) के स्थान पर लाए गए विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम की भी आलोचना की। उन्होंने आगे कहा, 'यह वीबी-जी राम जी (विक्षित भारत - रोजगार और आजीविका मिशन - ग्रामीण) कानून रद्द किया जाना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों के भविष्य में विकास के लिए एमजीएनआरईजीए (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) को पुनः स्थापित किया जाना चाहिए।

इससे पहले, राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता टीका राम जुली ने शनिवार को आगामी केंद्रीय बजट 2026 पर निराशा और संदेह व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार के वादे पूरे नहीं हुए हैं। एएनआई से बात करते हुए जुली ने विकास योजनाओं को लागू करने में आने वाली चुनौतियों का हवाला देते हुए राजस्थान को विशेष राज्य का दर्जा देने की केंद्र सरकार की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने राज्य की अनूठी भौगोलिक परिस्थितियों का जिक्र किया, जो विकास योजनाओं को लागू करने में महत्वपूर्ण चुनौतियां पेश करती हैं। उन्होंने राज्यों में डीजल और पेट्रोल की कीमतों में असमानता सहित कई चिंताओं को भी उजागर किया।

कांग्रेस नेता ने ट्रेन कोच निर्माण कारखाने की स्थापना और रिफाइनरी परियोजना को समय पर पूरा करने जैसे वादों को पूरा करने में सरकार की विफलता की ओर भी इशारा किया। उन्होंने सरकार से आगामी बजट में युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों, सामाजिक सुरक्षा और आम जनता के लिए कर राहत को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

सीएम स्टालिन का बड़ा बयान- डीएमके सरकार सिर्फ वादे नहीं करती, उन्हें पूरा भी करती है

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शनिवार को शिवगंगा की समृद्ध तमिल सभ्यता, वीरता और बलिदान की विरासत को याद करते हुए कहा कि यह जिला प्रतिरोध, स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय का प्रतीक है। एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कीलाडी पुरातात्विक खोजों का हवाला देते हुए कहा कि यह इस बात का प्रमाण है कि हजारों वर्ष पूर्व इस क्षेत्र में तमिल सभ्यता फली-फूली थी।

मुथु वदुगनाथ थेवर, वेलू नाचियार, वेल्लाची नाचियार, मरुथु बंधुओं और क्रांतिकारी कुयिली सहित स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके बलिदान आज भी तमिल समाज को प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि शिवगंगा वह भूमि है जिसने बलिदान को शक्ति में परिवर्तित किया। अपनी यात्रा के दौरान, स्टालिन ने कुल 2,560 करोड़ रुपये की 49 पूर्ण परियोजनाओं और 13.36 करोड़ रुपये की 28 नई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसके अलावा, उन्होंने 15,453 लाभार्थियों को 205 करोड़ रुपये की कल्याणकारी सहायता वितरित की।

उन्होंने कनाडुकथन स्थित चेत्तिनाड कृषि

महाविद्यालय और अनुसंधान संस्थान तथा कराईकुडी तालुक के कझानिवासल स्थित सरकारी विधि महाविद्यालय में 100 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नए भवनों का उद्घाटन किया, जिनमें 1,300 छात्रों के लिए सुविधाएं उपलब्ध हैं। कृषि महाविद्यालय के सभागार का नाम भारत रत्न डॉ. सी. सुब्रमण्यम, पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री के नाम पर रखा गया। मुख्यमंत्री ने जिले में 2,452 ग्रामीण बस्तियों, 11 पंचायत संघों, आठ नगर पालिकाओं और तीन नगर निगमों को कवर करने वाली 2,119.07 करोड़ रुपये की संयुक्त पेयजल योजनाओं का भी उद्घाटन किया। 32 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित मिनी टाइडल पार्क का भी उद्घाटन किया गया।

उन्होंने द्रविड़ मॉडल सरकार के तहत जिलेवार लाभों की सूची दी। स्टालिन ने बताया कि शिवगंगा जिले में 23.8 लाख महिलाओं को 'कलाइग्नार मगलीर उरिमाई थोगई' योजना के तहत प्रति माह 1,000 रुपये मिलते हैं। 'पुधुमाई पेन' योजना के तहत 8,469 छात्राओं को मासिक सहायता मिलती है, जबकि 'तमिल पुधलवन' योजना के तहत 6,076 लड़कों को लाभ मिलता है। महिला स्वयं सहायता समूहों को 855 करोड़ रुपये के ऋण दिए गए।

फडणवीस का बड़ा कदम, महाराष्ट्र का बजट अब खुद पेश करेंगे सीएम, सुनेत्रा पवार को मिला ये विभाग

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार में शनिवार को एक महत्वपूर्ण मंत्रिमंडल फेरबदल हुआ, जिसमें उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को आबकारी, खेल और अल्पसंख्यक विकास विभाग आवंटित किए गए। ये विभाग पहले उनके दिवंगत पति और वरिष्ठ राष्ट्रीय

समिति नेता अजित पवार के पास थे, जिनकी बारामती में विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। प्लानिंग और फाइनेंस विभाग, जो पहले दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार के पास थे, अब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के पास हैं। सूत्रों के अनुसार, यह कदम आगामी बजट सत्र से पहले निरंतरता और स्थिरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है, जिसके दौरान मार्च में महाराष्ट्र का 2026-27 का बजट पेश किया जाना है। सूत्रों के मुताबिक, फडणवीस वित्त विभाग का कार्यभार संभालेंगे और स्वयं वार्षिक बजट पेश करेंगे। सुनेत्रा पवार को यह पोर्टफोलियो आवंटन भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति सरकार में उनकी हाल ही में उपमुख्यमंत्री के रूप में नियुक्ति के बाद हुआ है। अजित पवार के निधन के कुछ दिनों बाद ही मंत्रिमंडल में एक बड़ा पद खाली हो गया था।

अजित पवार इससे पहले वित्त, उत्पाद शुल्क, खेल और अल्पसंख्यक मामलों सहित कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों का कार्यभार संभाल चुके हैं। राज्य सरकार के सूत्रों के अनुसार, आगामी बजट की अधिकांश तैयारियां उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व में पहले ही पूरी हो चुकी थीं।

केंद्रीय बजट पर शिवराज का बड़ा दावा

बोले- 'मोदी की गारंटी' से बनेगा समृद्ध और विकसित भारत

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि आगामी केंद्रीय बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बन रहे समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत की प्रक्रिया को गति देगा। चौहान छत्तीसगढ़ के रायपुर में पत्रकारों से बात कर रहे थे, जहां से वे दुर्ग का दौरा करने और स्थानीय किसानों से बातचीत करने वाले हैं। चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में एक समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण हो रहा है। यह बजट इस प्रक्रिया को और गति देगा।

केंद्रीय बजट 2026-27 वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा रविवार को पेश किया जाएगा। इस वर्ष बजट प्रस्तुति सप्ताहांत में पड़ रही है। वित्त मंत्री सीतारमण 1 फरवरी को लगातार नौवीं बार केंद्रीय बजट पेश करने जा रही हैं, जो भारत के संसदीय और आर्थिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। इसके अलावा, चौहान ने कहा कि वे शनिवार को छत्तीसगढ़ के दुर्ग में स्थानीय किसानों से मिलेंगे और छत्तीसगढ़ युवा प्रगतिशील किसान संघ द्वारा अपनाई जा रही कृषि पद्धतियों की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रगतिशील कृषि के लिए व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है और राज्य के प्रगतिशील किसानों ने उन्हें लंबे समय से अपने काम को देखने के लिए आमंत्रित किया था।

चौहान ने पत्रकारों से कहा कि आज मैं किसानों से बातचीत करने के लिए छत्तीसगढ़ की इस पवित्र भूमि पर आया हूं। मैं दुर्ग जिले के किसानों से मिलूंगा, जहां अत्यधिक प्रगतिशील कृषि पद्धतियां अपनाई जाती हैं। छत्तीसगढ़ युवा प्रगतिशील किसान संघ लंबे समय से मुझे अपने काम को देखने के लिए आमंत्रित करता रहा है, और आज मैं ऐसा करूंगा। मैं उनसे चर्चा भी करूंगा और बाद में किसान मेले में भाग लूंगा, क्योंकि किसान मेला सरकार और किसानों के बीच संवाद का सेतु का काम करता है, और मैं वहां भी चर्चा करूंगा।

उन्होंने आगे कहा कि युवा नेता संवाद पहल के तहत पहले दिल्ली का दौरा कर चुके युवाओं को भी इस संवाद में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। चौहान ने कहा कि युवा नेताओं के संवाद की पहल के तहत, यहां के कुछ युवा दिल्ली गए थे, और मैंने उन्हें भी आमंत्रित किया है, क्योंकि युवाओं के पास कई तरह के विचार होते हैं, और मैं उनसे भी बातचीत करूंगा।

'भारत जोड़ो यात्रा ने बदली देश की राजनीति', जयराम रमेश ने राहुल की पदयात्रा को बताया ऐतिहासिक

नई दिल्ली। कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा की तीसरी वर्षगांठ पर इसे देश की राजनीति में बड़ा बदलाव लाने वाला आंदोलन बताया है। पार्टी नेता जयराम रमेश ने कहा कि यह यात्रा सिर्फ एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं थी, बल्कि देश में बढ़ती आर्थिक असमानता, सामाजिक ध्रुवीकरण और राजनीतिक केंद्रीकरण जैसे मुद्दों को सामने लाने वाली ऐतिहासिक पहल थी। उन्होंने दावा किया कि यह यात्रा आने वाले दशकों तक याद रखी जाएगी।

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में निकली भारत जोड़ो यात्रा देश की राजनीति में 'गहराई से परिवर्तन' लाने वाली घटना साबित हुई। यह पदयात्रा कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल निकाली गई थी। करीब 4,000 किलोमीटर लंबी इस यात्रा में 200 से ज्यादा भारत यात्री शामिल हुए और यह 145 दिनों से अधिक समय तक चली।

कन्याकुमारी से कश्मीर तक का सफर

कांग्रेस के अनुसार, यात्रा सात सितंबर 2022 को कन्याकुमारी से शुरू हुई और 12 राज्यों तथा 2 केंद्र शासित प्रदेशों से गुजरते हुए जम्मू-कश्मीर पहुंची। लगभग 3,500 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद 30 जनवरी 2023 को श्रीनगर में इसका समापन हुआ। इस दौरान कई राजनीतिक दलों के नेता भी समापन कार्यक्रम में शामिल हुए।

क्या था यात्रा का उद्देश्य?

पार्टी का कहना है कि इस यात्रा का मकसद लोगों को जोड़ना और देश की एकता को मजबूत करना था। जयराम रमेश ने कहा कि यात्रा ने तीन प्रमुख मुद्दों आर्थिक असमानता, सामाजिक विभाजन और बढ़ते राजनीतिक दबाव को जनता तक पहुंचाया। उनके मुताबिक, विविधता वाले भारत में सभी वर्गों को साथ लेकर चलना जरूरी है।

बजट को लेकर भी उठाए सवाल

जयराम रमेश ने आगामी केंद्रीय बजट पर भी चिंता जताई। उन्होंने सवाल किया कि फरवरी में नई जीडीपी सीरीज आने के बाद क्या बजट के वे आंकड़े, जो जीडीपी के प्रतिशत के रूप में पेश किए जाते हैं, बदलने पड़ेंगे।

अजीत पवार के निधन के बाद एनसीपी मर्जर पर सस्पेंस, शरद पवार के दावे को तटकरे ने बताया गलत

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष सुनील दत्तात्रेय तटकरे ने शनिवार को शरद पवार के गुट के साथ विलय की खबरों का खंडन किया। मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए तटकरे ने कहा कि अजित पवार और शरद पवार के बीच 17 जनवरी को हुई बैठक महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों के लिए दोनों गुटों के बीच गठबंधन के संबंध में थी। तटकरे ने कहा कि शरद पवार और अजीत पवार की बैठक का जो वीडियो वायरल हो रहा है, वह बारामती में एक कृषि प्रदर्शनी के बाद हुई चाय पार्टी का है। अजित दादा ने खुद मीडिया को बताया था कि बैठक स्थानीय निकाय चुनावों के लिए गठबंधन के बारे में थी।

बुधवार को पुणे जिले के बारामती हवाई अड्डे के पास एक दुर्भाग्यपूर्ण विमान दुर्घटना में अजीत पवार के निधन के बाद से, एनसीपी और एनसीपी (एसपी) के विलय की चर्चाएँ तेज़ हो गई हैं। शरद पवार के अनुसार, अजित पवार पुनर्मिलन चाहते थे और दोनों पक्ष इसके प्रति आशावादी थे। उन्होंने कहा कि

विलय पर निर्णय 12 फरवरी को घोषित किया जाना था। अजीत ने यह तारीख दी थी, लेकिन दुर्भाग्य से दुर्घटना हो गई।

2023 में, अजित पवार अधिकांश नेताओं के साथ एनसीपी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले महायुति में शामिल हो गए थे, जिससे पार्टी में फूट पड़ गई थी। लेकिन बाद में दोनों पक्षों ने पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ में नगर निगम चुनाव एक साथ लड़े। हालांकि वे असफल रहे और भाजपा की लहर को रोक नहीं पाए। एक अन्य घटनाक्रम में, महाराष्ट्र में एनसीपी की विधायक दल की नेता चुने जाने के बाद सुनेत्रा पवार ने राज्यसभा सदस्य पद से इस्तीफा दे दिया है। सुनेत्रा पवार आज महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगी। उन्हें संभवतः वित्त, उत्पाद शुल्क और योजना विभाग दिए जाएंगे, जो उनके पति अजीत पवार संभाल रहे थे।

सूत्रों के अनुसार, एनसीपी नेता सुनेत्रा को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त करवाना चाहते हैं। हालांकि, उन्होंने बताया कि फिलहाल पार्टी इस पद के लिए प्रफुल्ल पटेल को नियुक्त करने पर विचार कर रही है। सूत्रों ने यह भी बताया कि पार्टी सुनेत्रा और अजित के बेटे पार्थ पवार को राज्यसभा में नियुक्त करेगी। इस बीच, अजित पवार का अंतिम संस्कार गुरुवार को हुआ, जो बारामती में हुए दुर्भाग्यपूर्ण विमान हादसे में उनकी मृत्यु के एक दिन बाद हुआ। अंतिम संस्कार में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, तामिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और पवार परिवार सहित कई शीर्ष नेता शामिल हुए।

वायु प्रदूषण नियमों का उल्लंघन करने वाले घणसोली क्षेत्र के दो विकासकों पर काम बंद करने की कार्रवाई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

वायु प्रदूषण रोकथाम संबंधी उपायों को प्रभावी रूप से लागू करने के उद्देश्य से, महानगरपालिका आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के निर्देशानुसार सभी विभाग कार्यालय क्षेत्रों में स्थित निर्माण स्थलों पर मानक कार्यप्रणाली के अनुसार की जा रही कार्रवाई की कड़ी निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में तुर्भे विभाग के अंतर्गत 7 निर्माण स्थलों पर काम बंद किया गया है।

इसी प्रकार घणसोली विभाग क्षेत्र में चल रहे निर्माण स्थलों पर वायु एवं ध्वनि प्रदूषण से संबंधित मानक कार्यप्रणाली के नियमों का पालन न किए जाने के कारण, आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के निर्देशानुसार, अतिरिक्त आयुक्त-2 डॉ. राहुल गेठे, शहर अभियंता श्री शिरीष आरदवाड, सहायक संचालक नगररचना सोमणाथ केकाण, परिमंडल-2 उपायुक्त संजय शिंदे के मार्गदर्शन में सेक्टर 3, घणसोली स्थित भूखंड क्रमांक 24 व 25 पर स्थित गामी एंड कृष्णा

इंटरप्राइजेस की संपत्ति को सील किया गया है। साथ ही सेक्टर 3 के भूखंड क्रमांक 26 पर स्थित लाल केबी इंफ्रा प्रा. लि. इस विकासक का निर्माण कार्य बंद किया गया है।

यह कार्रवाई घणसोली विभाग के सहायक आयुक्त श्री वसंत मुंडावरे के नियंत्रण में कार्यकारी अभियंता यशवंत कापसे, उप अभियंता श्री रमेश गुरव, उप अभियंता किरण पाटील तथा कनिष्ठ अभियंता, स्वच्छता अधिकारी एवं उद्यान सहायक द्वारा की गई।

जलंब स्टेशन पर यार्ड पुनर्संरचना के तहत इलेक्ट्रॉनिक अंतर्संयोजन प्रणाली सफलतापूर्वक कार्यान्वित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेलवे, भुसावल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक के सक्षम नेतृत्व तथा अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक (प्रशासन) के मार्गदर्शन में, अभियांत्रिकी, ओवरहेड विद्युत उपकरण एवं परिचालन विभागों के सहयोग से यार्ड पुनर्संरचना कार्य के अंतर्गत जलंब स्टेशन पर हाईमैक्स सेफ कनेक्ट की इलेक्ट्रॉनिक अंतर्संयोजन प्रणाली दिनांक 30.01.2026 को सफलतापूर्वक कार्यान्वित की गई। इस कार्य के अंतर्गत इनडोर एवं आउटडोर सिग्नलिंग उपकरणों का पूर्ण रूप से नवीनीकरण किया गया है।

इस कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप सिग्नलिंग आधारभूत संरचना में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जिससे सुरक्षा, विश्वसनीयता एवं परिचालन दक्षता में वृद्धि होगी।

मुख्य सुधार :

पोर्टा हट में कार्यरत 23 वर्ष पुरानी पैनल अंतर्संयोजन प्रणाली को हटाकर अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक अंतर्संयोजन प्रणाली स्थापित की गई है।

मालगाड़ी लूप लाइन की नियंत्रित साइडिंग लंबाई 732 मीटर से बढ़ाकर 880.34 मीटर की गई (148 मीटर की वृद्धि)।

कॉमन लूप लाइन की नियंत्रित साइडिंग लंबाई 682 मीटर से बढ़ाकर 753 मीटर की गई (71 मीटर की वृद्धि), जिससे यातायात को सुगम बनाने में सहायता मिलेगी।

इलेक्ट्रॉनिक अंतर्संयोजन प्रणाली की प्रमुख विशेषताएँ :

मार्गों की संख्या : 63

द्वैध दृश्य प्रदर्शन इकाई हॉट स्टैंडबाय मोड में (गैलेंट निर्माता विद्युत आपूर्ति के साथ)

प्वाइंट्स की संख्या : 12, अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन द्वारा अनुमोदित प्वाइंट डिटेक्शन प्रणाली के साथ

प्वाइंट मशीनों की संख्या : 24

मुख्य संकेतकों की संख्या : 15

स्वतंत्र शंट संकेतक : 9

आश्रित शंट संकेतक : 1

प्रत्यक्ष धारा ट्रैक परिपथ : 41

एकीकृत विद्युत आपूर्ति प्रणाली : 01 (स्टैटकॉन इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता), 300 एएच बैटरी सेट (कॉसलाइट निर्माता)

100 प्रतिशत स्टैंडबाय फ्यूज अलार्म प्रणाली (रिलायंस इलेक्ट्रिकल निर्माता)

एफट्रॉनिक्स डेटा लॉगर - 1024 डिजिटल एवं 32 एनालॉग संपर्कों के साथ (संपर्क सत्यापन पूर्ण)

सभी बस बार के लिए अर्थ लीकेज डिटेक्टर (रिलायंस निर्माता)

यह इलेक्ट्रॉनिक अंतर्संयोजन प्रणाली नवीनतम अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन के तकनीकी परिपत्र क्रमांक 3012 संस्करण 3.0 तथा साइबर सुरक्षा संबंधी तकनीकी दिशानिर्देशों के पूर्णतः अनुरूप है, जिससे सुरक्षित एवं संरक्षित रेल परिचालन सुनिश्चित होता है।

यह उपलब्धि भुसावल मंडल में रेलवे सिग्नलिंग के आधुनिकीकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है, जिसके परिणामस्वरूप परिचालन दक्षता में वृद्धि होगी तथा सुरक्षित एवं सुचारु रेल यातायात सुनिश्चित किया जा सकेगा।

भक्तिपूर्ण माहौल में श्रीराम कथा का समापन

नवी मुम्बई। मुंबईः-कोपरखैरने में आयोजित श्रीराम कथा भक्ति पूर्ण माहौल में समाप्त हुई। सुप्रसिद्ध कथावाचक गोपाल महाराज ने कथा के समापन के दिन वनवास के दौरान प्रयागराज द्वारा श्री राम को सिखाये गए शिक्षा, ज्ञान और जीवन जीने की कला का वर्णन किया। जिसे सुनकर पूरा कथा पंडाल भक्तिरस में डूब गया। गोपाल महाराज ने कहा कि भगवान राम के आदर्शों पर चलने से भले ही जीवन में बाधाएं आएं, लेकिन संकट के बादल अपने आप छंट जाते हैं। राम ने पृथ्वी पर अवतरित होकर मानव को जीवन जीने की कला सिखाई। गोपाल महाराज ने कहा कि हनुमान की तरह भक्त को होना चाहिए। हनुमान ने सेवा ही जीवन का ध्येय बना लिया। स्वामी भक्ति के अलावा उनके जीवन में कोई और काम रह ही नहीं गया। गोपाल महाराज ने शबरी मां की भक्ति का वर्णन करते हुए कहा कि शबरी ने पूरे जीवन प्रभु राम की राह देखती रही। सुबह रास्ते को साफ करना और फूल बिछाना उसकी दिनचर्या बन गयी थी। वर्षों बीत गए लेकिन राम नहीं आये। फिर भी वह विचलित नहीं हुई, प्रभु की राह देखती रही। अंत में उसकी इच्छा पूरी हुई। महाराज ने कहा कि आज स्थित

बिल्कुल उलट हो गयी है। यदि महीने दो महीने में पूजा पाठ करने पर सफलता नहीं मिली तो भक्त दूसरे देवी देवता की शरण में चल जाता है। मानव ऐसे ही इधर से उधर भटकता रहता है, लेकिन उसे सफलता नहीं मिलती।

इस धार्मिक कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था अध्यक्ष संजय राय, उपाध्यक्ष संजीव सिंह, सचिव नागेश सिंह, कोषाध्यक्ष संजय गुप्ता, हरिशंकर गुप्ता, सुरेश जायसवाल, आशुतोष सिंह, स्वतंत्र राय, विपिन राय, बिल्डर राम कुमार चौधरी, सुरेंद्र राय, बिंदु आचार्या, दिव्यांशु पांडेय, रजनी झा, गौरव सिंह, अशरफी लाल गुप्ता, मुन्ना पांडेय, अमरेश शर्मा, विनोद तिवारी,एड, रमेश त्रिपाठी, एड नितेश सिंह तारकेश्वर राय अंकित राय प्रिन्स राय अनिल बारी, हरीश मौर्या, प्रवीन मौर्या, अखिलेश सिंह रामनयन मौर्य सहित बड़ी संख्या में भक्तों ने कड़ी मेहनत की।

नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर निरंतर गहन स्वच्छता अभियान

विशेष रूप से मैदानों एवं खुले स्थलों की सफाई हेतु विशेष अभियान

दिव्यांश

नवी मुंबई की वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से महानगरपालिका आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के मार्गदर्शन में निर्माण स्थलों पर वायु प्रदूषण नियंत्रण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके साथ ही शीतकालीन अवधि में वातावरण में कोहरे के साथ-साथ धूल की बढ़ी हुई मात्रा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न स्थानों पर गहन स्वच्छता अभियान प्रभावी रूप से चलाए जा रहे हैं।

इन अभियानों के अंतर्गत सड़क स्वच्छता एवं धूल नियंत्रण पर अधिक कड़ाई से ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र के मैदानों तथा खुले स्थलों की सफाई के लिए विशेष अभियान भी आरंभ किया गया है।

अपर आयुक्त श्री सुनील पवार के नियंत्रण में संपूर्ण स्वच्छता विभाग धूल प्रदूषण नियंत्रण हेतु सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। इसके अतिरिक्त आयुक्त महोदय के निर्देशानुसार सभी विभागीय कार्यालय स्तर पर सहायक आयुक्तों के नियंत्रण में वायु प्रदूषण रोकथाम की कार्यवाही की जा रही है। शहर अभियंता श्री शिरीष आरदवाड के मार्गदर्शन तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग के उपायुक्त डॉ. अजय गडदे के

निर्देशन में स्वच्छता अधिकारियों की विशेष टीमें गठित की गई हैं, जिनके माध्यम से गहन स्वच्छता अभियानों के साथ-साथ धूल नियंत्रण संबंधी उपाय प्रभावी रूप से लागू किए जा रहे हैं।

इस अभियान के अंतर्गत 29 जनवरी से 31 जनवरी 2026 की अवधि में लगभग 6 टन से अधिक धूल, मिट्टी एवं मलबा हटाया गया है। प्राथमिकता के आधार पर 12 प्रमुख मार्गों पर 10 किलोमीटर से अधिक लंबाई के मार्गों की गहन सफाई की गई है। सड़कों से धूल और मिट्टी हटाने के बाद उन्हें जेटिंग मशीन एवं एनकैप फॉगर वाहनों के माध्यम से धोकर स्वच्छ किया जा रहा है। यांत्रिक सफाई मशीनों द्वारा प्रतिदिन लगभग 223 किलोमीटर प्रमुख सड़कों की सफाई की जा रही है।

समें आम्र मार्ग, ठाणे-बेलापुर मार्ग, सायन-पनवेल राजमार्ग वाशी, औद्योगिक विकास महामंडल क्षेत्र का गवलीदेव मार्ग, पाम बीच मार्ग, कोपरखैरणे-घणसोली पाम बीच मार्ग, पाम बीच सेवा मार्ग, सानपाड़ा परिसर, तुर्भे वार्ड में लुब्रिजोल कंपनी के सामने का फाइज़र मार्ग, तुर्भे औद्योगिक विकास महामंडल मार्ग, गणपति पाड़ा मुख्य मार्ग, रबाले औद्योगिक विकास महामंडल, निबाण टेकड़ी से साईप्रसाद होटल परिसर घणसोली, दीवानाका से मुरबादेवी चौक रबाले, घणसोली मार्गों के साथ-साथ निर्माणाधीन स्थलों एवं उनके आसपास के क्षेत्रों की भी गहन सफाई की गई है। यह कार्यवाही आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

इस अभियान के अंतर्गत सड़कों की सतह को ब्रश से साफ करना, एकत्रित मिट्टी को हटाना, स्वच्छ किए गए मार्गों पर प्रक्रियायुक्त जल का छिड़काव कर सड़कों को धोना, सड़क किनारे पड़े निर्माण मलबे को हटाना तथा फुटपाथों की भी सफाई करना जैसे विविध प्रकार के गहन स्वच्छता कार्य किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में स्वच्छता कार्य हेतु निम्नलिखित उपकरणों एवं संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है–

जेटिंग मशीन - 08

यांत्रिक सफाई मशीन - 07 (दैनिक सफाई हेतु)

एनएसीपी फॉगर वाहन - 05

फ्लिपर मशीन - 150

विशेष गहन स्वच्छता अभियान में सहभागी स्वच्छताकर्मी - 250 से अधिक

इसके साथ-साथ नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र के मैदानों एवं खुले स्थलों की सफाई हेतु विशेष अभियान सभी विभागीय कार्यालय स्तर पर चलाया गया। इसके अंतर्गत भास्कर घाड़ी मैदान सेक्टर 5 ऐरोली, कोपरी गांवदेवी मैदान तुर्भे, गांवदेवी मैदान सेक्टर 5 सानपाड़ा, कोपरखैरणे सेक्टर 6 का खुला भूखंड, सेक्टर 5 से 8 तक के मैदान कोपरखैरणे, कोपरखैरणे रेलवे स्टेशन परिसर एवं पार्किंग स्थल, सुभाषचंद्र बोस मैदान सेक्टर 1 वाशी, जुहू गांव गांवदेवी मैदान वाशी, सेक्टर 29 वाशी के खुले मैदान, मीनाताई ठाकरे मैदान सेक्टर 16 वाशी, औद्योगिक प्रशिक्षण विद्यालय के सामने का मैदान सेक्टर 15 वाशी, घणसोली सेक्टर 6 खेल मैदान, घणसोली सेक्टर 7-8 सड़क किनारे की खुली जगह आदि क्षेत्रों की गहन सफाई की गई है।

नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र में वायु प्रदूषण नियंत्रण पर अत्यंत गंभीरता से ध्यान दिया जा रहा है और इसी दृष्टिकोण से वायु प्रदूषण रोकथाम की कार्यवाही और अधिक प्रभावी ढंग से की जा रही है।

पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस-भुज के बीच एक जोड़ी स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए बांद्रा टर्मिनस एवं भुज स्टेशनों के बीच एक जोड़ी स्पेशल ट्रेन के फेरों को विस्तारित किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 09037 बांद्रा टर्मिनस - भुज द्वि-साप्ताहिक स्पेशल को 26 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09038 भुज-बांद्रा टर्मिनस द्वि-साप्ताहिक स्पेशल को 27 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09037 एवं 09038 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 01 फरवरी, 2026 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव के समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया

www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे

सर्वो हाइड्रोलिक शॉक एब्जॉर्बर परीक्षण मशीन का सीएएमसी

सहायक विद्युत अभियंता, ईएमयू कार्यशाला, महालक्ष्मी, मुंबई-13 द्वारा निविदा सूचना क्रमांक : EL90-MX--2024-25-14-M/RT3, दिनांक 28.01.2026 आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम एवं स्थान :** कार्य के दायरे के अनुसार, ईएमयू कार्यशाला, महालक्ष्मी के मशीन शॉप में स्थित सर्वो हाइड्रोलिक शॉक एब्जॉर्बर परीक्षण मशीन (निर्माता - एंकाय एंटरप्राइजेज, नई दिल्ली) का अंशांकन सहित 2 वर्षों के लिए समग्र वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध (सीएएमसी)। **कार्य की अनुमानित लागत :** 6,83,810/- **जमानत राशि (ईएमडी) :** 13,700/- **ई-बोली ऑनलाइन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय :** 20.02.2026 को 14:00 बजे तक। **ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** 20.02.2026 को, 14:00 बजे। बोली प्रपत्र तथा शुद्धिपत्र (कॉरिजेंडम) सहित अन्य विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं। 1073

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

गाद निकासी कार्य एवं जलस्तर मापक यंत्र की स्थापना

वरिष्ठ मंडल अभियंता (दक्षिण), मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008 द्वारा निम्नलिखित ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं– **क्रमांक 1 : ई-निविदा सूचना क्रमांक :** BCT/25-26/308, दिनांक 29.01.2026 **कार्य एवं स्थान : चर्चगेट-विरार खंड :-** एसएसई (पी. वे) बोरीवली एवं भयंदर खंड के अंतर्गत 2025 से 2026 की अवधि के लिए जेसीबी, पेवमेंट ब्रेकर एवं पॉकलेन मशीन किराये पर लेकर मध्य/पार्श्व नालियों, मैनहोल आदि की गाद निकासी का कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत :** 56,67,602.57/- **जमानत राशि (ईएमडी) :** 1,13,400/- **क्रमांक 2 : ई-निविदा सूचना क्रमांक :** BCT/25-26/309, दिनांक 29.01.2026 **कार्य एवं स्थान : चर्चगेट-विरार खंड :-** चर्चगेट-विरार खंड में पुल क्रमांक 20 (माहीम जं.-बांद्रा जं.), 66 (बोरीवली-दहिसर), 72 (दहिसर-मीरा रोड) एवं 75 (भायंदर-नायगांव) पर स्वचालित जलस्तर मापक यंत्र की आपूर्ति एवं स्थापना। **कार्य की अनुमानित लागत :** 20,70,516.96/- **जमानत राशि (ईएमडी) :** 41,400/- **दोनों निविदाओं की प्रस्तुति की तिथि एवं समय :** 24.02.2026 तक, 15:00 बजे। **दोनों निविदाओं के खोलने की तिथि एवं समय :** 24.02.2026 को, 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 1071

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

जाह्नवी कुकरेजा हत्याकांड में दोस्त ही निकला कातिल, कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

मुंबई। मुंबई के चर्चित 2021 जाह्नवी कुकरेजा हत्याकांड में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। करीब चार साल बाद आए इस फैसले में अदालत ने पीड़िता के दोस्त श्री जोगधनकर को उम्रकैद की सजा सुनाई, जबकि दूसरी आरोपी दिया पाडलकर को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया। इस मामले ने उस समय शहर को झकझोर दिया था, क्योंकि हत्या में शामिल लोग मृतका के करीबी दोस्त थे।

जानें पूरा मामला

मुंबई की एक सत्र अदालत ने 19 वर्षीय जाह्नवी कुकरेजा की हत्या के मामले में आरोपी श्री जोगधनकर को भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत दोषी पाया।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सत्यनारायण नवंदर ने कहा कि आरोपी के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं। अदालत ने सह-आरोपी दिया पाडलकर को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया।

न्यू ईयर पार्टी के बाद हुआ विवाद

पुलिस के अनुसार, एक जनवरी 2021 की रात मुंबई के खार इलाके की एक इमारत की छत पर न्यू ईयर पार्टी चल रही थी। इसी दौरान जाह्नवी, जोगधनकर और पाडलकर के बीच विवाद हुआ। जांच में सामने आया कि झगड़ा जोगधनकर और पाडलकर की कथित नजदीकियों को लेकर शुरू हुआ, जिसने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया।

बेरहमी से हमला, सीढ़ियों से घसीटा

पुलिस ने अदालत को बताया कि दोनों आरोपियों ने कथित तौर पर जाह्नवी पर हमला किया और उसकी हत्या कर दी। इसके बाद उसे पांचवीं मंजिल से सीढ़ियों के रास्ते नीचे घसीटा गया। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई थी और पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए दोनों दोस्तों को गिरफ्तार किया था।

सुनवाई के दौरान अदालत ने सबूतों और गवाहों के आधार पर जोगधनकर को हत्या का दोषी माना। वहीं, दिया पाडलकर के खिलाफ पर्याप्त प्रमाण नहीं मिलने पर उसे बरी कर दिया गया। अदालत ने कहा कि आपराधिक मामलों में दोष सिद्ध करने के लिए ठोस सबूत जरूरी होते हैं।

कानूनी शिक्षा और व्यावहारिक न्यायालयीन कार्य, यह अकादमी इस अंतर को पाटने में महत्वपूर्ण होगी– मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र एवं गोवा बार काउंसिल द्वारा स्थापित भारत की पहली 'भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर एडवोकेट ट्रेनिंग एंड रिसर्च सेंटर' की सराहना करते हुए नवी मुंबई में इस ऐतिहासिक इमारत का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि जैसे न्यायाधीशों के लिए प्रशिक्षण अकादमी होती है, वैसे ही वकीलों के लिए प्रशिक्षण अकादमी क्यों नहीं है–इस प्रश्न का उत्तर बार काउंसिल ने इस अकादमी के माध्यम से दिया है। यह अकादमी कानूनी शिक्षा और वास्तविक न्यायालयीन कार्य (कोर्ट क्राफ्ट) के बीच की खाई को पाटने में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

तालोजा स्थित इस अकादमी का उद्घाटन भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति भूषण आर. गवई के हाथों किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर ने की। मंच पर मेघालय हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश रेवती मोहिते-डेरे, भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अधिवक्ता अनिल सी. सिंह, महाराष्ट्र के महाधिवक्ता डॉ. मिलिंद साठे तथा गोवा के महाधिवक्ता अधिवक्ता देविदास पांगम उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार ने कानूनी प्रशिक्षण और अनुसंधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई भूमि का सर्वोत्तम उपयोग करते हुए बहुत ही कम समय में यह उत्कृष्ट संरचना तैयार की गई है। उन्होंने दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजितदादा पवार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि अकादमी भवन का गुणवत्तापूर्ण निर्माण और उसका अल्प अवधि में पूर्ण होना उनकी कार्यशैली की याद दिलाता है। वकीलों के लिए स्वतंत्र प्रशिक्षण अकादमी शुरू करने का यह निर्णय देश में अपनी तरह का पहला है और इसके लिए उन्होंने महाराष्ट्र बार काउंसिल की इस पहल की विशेष सराहना की। बदलते कानूनों, नए आपराधिक कानूनों के साथ-साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीक के समुचित उपयोग को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षित वकीलों और अभियोजकों को तैयार करना आवश्यक है–यह कहते हुए उन्होंने यह भी बताया कि आगामी बजट सत्र के बाद राज्य सरकार की ओर से इस अकादमी के लिए 10 करोड़ रुपये का अनुदान वितरित किया जाएगा।

विस्तारित होती अर्थव्यवस्था में तकनीकी परिवर्तनों के अनुरूप हमारी प्रणाली को प्रशिक्षित करना आवश्यक है। याचिका मसौदा तैयार करने में AI के उपयोग से होने वाले खतरों के प्रति भी सतर्क रहना चाहिए। बिना अनुसंधान के गुणवत्ता संभव नहीं है–ऐसा कहते हुए उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह अनुसंधान केंद्र भविष्य में गुणवत्तापूर्ण कानूनी अनुसंधान का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन वरिष्ठ अधिवक्ता एवं BCMG के अध्यक्ष हर्षद निम्बालकर द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने न्यायमूर्ति बी. बी. चव्हाण को 'विधि महर्षि पुरस्कार' प्रदान किया, जबकि अमरावती के सिविल वकील दिवंगत ज्ञानेश्वर बावरेकर को मरणोपरांत दिया गया पुरस्कार उनके पुत्र अधिवक्ता संजय बावरेकर ने स्वीकार किया।

इस समारोह में महाराष्ट्र एवं गोवा बार काउंसिल के उपाध्यक्ष अधिवक्ता जयंत डी. जयभावे, BBATRC के अध्यक्ष अधिवक्ता डॉ. उदय पी. वरुणजीकर, बार काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य अधिवक्ता आशीष पी. देशमुख तथा समन्वयक एवं उपाध्यक्ष अधिवक्ता संग्राम डी. देसाई उपस्थित थे। इसके अलावा बार काउंसिल के सदस्य अधिवक्ता मोतीसिंह जी. मोहता, अधिवक्ता गजानन बी. चव्हाण, अधिवक्ता मिलिंद एस. पाटील, अधिवक्ता विठ्ठल बी. कोंडे-देशमुख, अधिवक्ता अहमदखान यू. पठाण, अधिवक्ता राजेंद्र बी. उमाप तथा अधिवक्ता पारिजात एम. पांडेय की विशेष उपस्थिति रही।

बजट सत्र से पहले अजित पवार की मां से मिलीं सुप्रिया, भावुक मुलाकात के बाद दिल्ली रवाना

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (एनसीपी-एससीपी) की नेता सुप्रिया सुले ने शनिवार को कहा कि वह संसद के बजट सत्र के लिए नई दिल्ली जा रही हैं, जो 1 फरवरी से शुरू होने वाला है। अपनी यात्रा से पहले, एनसीपी-एससीपी नेता ने दिवंगत अजित पवार की माता आशा पवार से उनके काटेवाड़ी गांव स्थित आवास पर मुलाकात की। पत्रकारों से बात करते हुए सुले ने कहा कि चूंकि बजट सत्र कल है, इसलिए मैं दिल्ली जा रही हूं। मैंने आशा काकी से मुलाकात की और उनसे पूछा कि क्या मुझे बजट सत्र के लिए दिल्ली जाना चाहिए। उन्होंने कहा हां, यह देश का बजट है, और मुझे जाना चाहिए। एनसीपी की सदन नेता होने के नाते, मेरी उपस्थिति वहां आवश्यक है। सुनेत्रा पवार के शपथ ग्रहण समारोह और अन्य प्रश्नों के उत्तर में उन्होंने हाथ जोड़कर कहा, 'राम कृष्ण हरि।' एनसीपी नेता सुप्रिया सुले 1 फरवरी को संसद में पेश होने वाले केंद्रीय बजट 2026-27 में शामिल होंगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी (रविवार) को लगातार नौवीं बार केंद्रीय बजट पेश करने वाली हैं, जो एक रिकॉर्ड है। बुधवार को सुप्रिया सुले ने अपने दिवंगत चचेरे भाई अजित पवार को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनका 28 जनवरी को मुंबई से बारामती जा रहे विमान दुर्घटना में निधन हो गया था।

महाराष्ट्र के 66 वर्षीय उपमुख्यमंत्री का अंतिम संस्कार बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में राजकीय सम्मान के साथ संपन्न हुआ। अजित पवार का बुधवार को मुंबई से बारामती जा रहे विमान दुर्घटना में निधन हो गया। इसी बीच, पवार की विधवा सुनेत्रा पवार ने मुंबई के लोक भवन में आयोजित एक समारोह में राज्य की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में सुनेत्रा पवार को पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, एनसीपी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे, एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल भी उपस्थित थे।

एनसीपी नेता जीशान सिद्दीकी बोले- एक महिला का Deputy CM बनना बहुत बड़ी बात है'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

एनसीपी नेता जीशान सिद्दीकी ने शनिवार को दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार की महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री के रूप में ऐतिहासिक पदोन्नति पर उनकी सराहना करते हुए इसे 'एक बहुत बड़ी उपलब्धि' बताया। उन्होंने कहा, सुनेत्रा पवार अजीत दादा के कठिन समय में हमेशा उनके साथ रहीं और आज उन्होंने इतनी बड़ी जिम्मेदारी संभाली है... यह बहुत बड़ी बात है कि एक महिला राज्य की उपमुख्यमंत्री बनी हैं।

इससे पहले आज, महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने मुंबई के लोक भवन में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में सुनेत्रा पवार को पद की शपथ दिलाई।

उन्होंने 28 जनवरी को बारामती में विमान दुर्घटना में अजीत पवार के निधन के बाद रिक्त हुए पद को संभाला है। इसके साथ ही, सुनेत्रा पवार महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बन गई हैं। महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, एनसीपी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे, एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल पटेल और महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

सुनेत्रा पवार के शपथ ग्रहण के दौरान एनसीपी नेताओं ने अजीत दादा अमर रहे और भारत मत की जय के नारे लगाए।

इससे पहले आज ही उन्हें एनसीपी विधायक दल का नेता चुना गया था। इसके बाद एनसीपी नेताओं ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर सुनेत्रा पवार को उपमुख्यमंत्री नियुक्त करने की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया। सुनेत्रा पवार सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण सशक्तिकरण के क्षेत्र में अपने कार्यों के लिए जानी जाती हैं। राज्यसभा सांसद के रूप में, वे समावेशी और सतत प्रगति को बढ़ावा देने वाली कई पहलों की प्रेरक शक्ति के रूप में उभरी हैं। 2010 में उन्होंने पर्यावरण जागरूकता बढ़ाने और पर्यावरण के प्रति जागरूक समुदायों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक गैर-सरकारी संगठन, एनवायरनमेंटल फोरम ऑफ इंडिया (ईएफओआई) की स्थापना की। उन्होंने जैव विविधता संरक्षण, लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण, जल संसाधन प्रबंधन और सूखा राहत पर केंद्रित व्यापक जमीनी स्तर के अभियानों का नेतृत्व किया है।

'भारत पर्व' महोत्सव से राज्य के पर्यटन और समृद्ध परंपराओं को बढ़ावा, वैश्विक स्तर तक पहुँचने का प्रयास सफल रहा– पर्यटन मंत्री शंभूराज देसाई

'भारत पर्व 2026' में महाराष्ट्र पर्यटन विभाग के पवेलियन को पर्यटकों की स्वतःस्फूर्त प्रतिक्रिया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। भारत के गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 से 31 जनवरी के दौरान दिल्ली के लाल किले के सामने स्थित लॉन और ज्ञानपथ पर 'भारत पर्व 2026' महोत्सव का आयोजन किया गया। इस छह दिवसीय महोत्सव में महाराष्ट्र शासन के पर्यटन विभाग ने पवेलियन स्थापित कर सहभागिता की। पर्यटन मंत्री शंभूराज देसाई ने मत व्यक्त किया कि 'भारत पर्व' महोत्सव के माध्यम से राज्य के पर्यटन और समृद्ध परंपराओं को वैश्विक स्तर तक पहुँचाने का प्रयास सफल रहा। महोत्सव में पर्यटन विभाग के पवेलियन ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस महोत्सव में विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक विविधता, खानपान, वेशभूषा, हस्तशिल्प, लोककला और संगीत का अनोखा प्रदर्शन देखने को मिला। इस महोत्सव के माध्यम से 'एकता में विविधता' का संदेश दिया गया। 'भारत पर्व 2026' में पर्यटन विभाग के पवेलियन को पर्यटकों से स्वतःस्फूर्त प्रतिसाद प्राप्त हुआ। इस पवेलियन के माध्यम से राज्य के विभिन्न पर्यटन स्थलों, पर्यटन स्थलों पर उपलब्ध सुविधाओं, भ्रमण के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं आदि की जानकारी प्रदान की गई।

सांस्कृतिक विरासत, समुद्र तट, यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त किलों जैसे पर्यटन आकर्षण वाले स्थलों की जानकारी इस पोर्टल के माध्यम से पर्यटकों तक पहुँचाई गई। इस पोर्टल का मुख्य उद्देश्य राज्य के पर्यटन स्थलों की जानकारी विश्व तक पहुँचाना था।

विभिन्न क्षेत्रों के अनेक गणमान्य व्यक्तियों, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय हितधारकों तथा बड़ी संख्या में पर्यटकों ने पर्यटन विभाग के स्टॉल को भेंट दी। पर्यटन क्षेत्र से जुड़े विभिन्न स्तरों के हितधारकों ने महाराष्ट्र पर्यटन और उसकी सेवाओं के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने में रुचि दिखाई। कई लोगों ने स्टॉल की रचनात्मक प्रस्तुति तथा महाराष्ट्र की समृद्ध संस्कृति और विविध पर्यटन संभावनाओं को उजागर करने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की।

पर्यटन विभाग के प्रधान सचिव संजय खंडारे ने कहा कि 'भारत पर्व' महोत्सव के माध्यम से राज्य के पर्यटन और समृद्ध परंपराओं को वैश्विक मंच तक पहुँचाने का प्रयास सफल रहा। विशेष रूप से राज्य के किले, सांस्कृतिक विरासत, समुद्र तट, ठंडे पर्यटन स्थल आदि पर्यटन विशेषताओं से युक्त स्थानों की जानकारी विश्व स्तर पर पहुँचाने में यह महोत्सव लाभदायक सिद्ध हुआ। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों ने महाराष्ट्र पर्यटन के बारे में अधिक रुचि दिखाई। इससे निश्चित रूप से पर्यटन क्षेत्र को आर्थिक लाभ होगा।

पर्यटन संचालनालय के संचालक डॉ. बी. एन. पाटील ने कहा कि महाराष्ट्र पर्यटन विभाग ने 'भारत पर्व' महोत्सव में सहभागिता कर राज्य के विविध पर्यटन स्थलों की जानकारी पर्यटन क्षेत्र से जुड़े विभिन्न हितधारकों तक पहुँचाई। महोत्सव में उपस्थित हितधारकों को पर्यटन सेवाओं और सुविधाओं की जानकारी दी गई। इससे पर्यटन क्षेत्र से जुड़े विभिन्न हितधारकों को पर्यटन बढ़ाने में सहायता मिलेगी। साथ ही, इस महोत्सव के माध्यम से महाराष्ट्र पर्यटन विभाग ने पर्यटन क्षेत्र में अपनी पहचान को एक बार फिर सुदृढ़ किया है।

बीज आदान-प्रदान दिवस नवी मुंबई में विभिन्न उपक्रमों के माध्यम से उत्साहपूर्वक मनाया गया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र शासन के पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से घोषित 'माझी वसुंधरा अभियान 6.0' के अंतर्गत नागरिकों के सहयोग से विभिन्न उपक्रम क्रियान्वित किए जा रहे हैं।

उसी के अंतर्गत आज 31 जनवरी को महानगरपालिका आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के मार्गदर्शन में बीज आदान-प्रदान दिवस के अवसर पर नवी मुंबई महानगरपालिका उद्यान विभाग द्वारा विविध उपक्रम आयोजित किए गए। अतिरिक्त आयुक्त डॉ. राहुल गेठे तथा उद्यान विभाग की उपायुक्त श्रीमती स्मिता काले के नियंत्रण में, महानगरपालिका क्षेत्र के विभिन्न उद्यानों में बीज आदान-प्रदान एवं संकलन तथा बीज गोला (सीड बॉल) निर्माण प्रशिक्षण जैसे विविध प्रकार के उपक्रम संपन्न किए गए।

ये उपक्रम शहर के विभिन्न उद्यानों में आयोजित किए गए। इनमें– बेलापुर विभाग में डॉ. केशव हेडगेवार उद्यान, सेक्टर 1 सीबीडी बेलापुर (मैंगो गार्डन), घणसोली विभाग में सेंट्रल पार्क, सेक्टर से-3 घणसोली, कोपरखैरणे विभाग में सेक्टर 14 स्थित निसर्ग उद्यान, वाशी विभाग में स्व. राजीव गांधी उद्यान, से-29 वाशी, ऐरोली विभाग में स्व. राजीव गांधी उद्यान, से-3 ऐरोली, तुर्भे विभाग में संवेदना उद्यान, से-10 सानपाड़ा तथा कोपरखैरणे स्थित नमुंमपा शाला क्रमांक 31 एवं शाला क्रमांक 36 में लोकसहभागिता के साथ उत्साहपूर्वक कार्यक्रम संपन्न हुए।

आज के विशेष दिन के अवसर पर नागरिकों एवं विद्यार्थियों को पर्यावरण जागरूकता का संदेश दिया गया तथा बीज गोले (एर्ि त्त) तैयार करने संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसमें नवी मुंबई के नागरिक, बचत समूह की महिलाएं, विद्यार्थी, महाविद्यालयों की एनएसएस इकाइयों के विद्यार्थी, वृक्षप्रेमी नागरिक, वरिष्ठ नागरिक, विभिन्न पर्यावरण प्रेमी संस्थाएं, सेवाभावी मंडल तथा नवी मुंबई महानगरपालिका उद्यान विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में सहभाग लिया।

इस बीज आदान-प्रदान उपक्रम में प्राथमिकता से देशी वृक्षों के बीजों का ही आदान-प्रदान किया गया। चीकू, फणस (कटहल), जामुन, अमरूद, इमली, सीताफल, जांभूळ (जामुन), आवला, स्टार फ्रूट तथा आम जैसे वृक्षों के बीजों का आदान-प्रदान किया गया। साथ ही बीज गोले तैयार करने का प्रशिक्षण भी दिया गया।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत माता अमृतानंदमयी मठ, नेरूल संस्था की ओर से भारती विद्यापीठ कॉलेज ऑफ फार्मेसी के एनएसएस विद्यार्थियों को प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया। इसके अतिरिक्त कोपरखैरणे की महिला बचत समूह, इच्छापूर्ति श्री गणेश मंडल कोपरखैरणे तथा क्राइस्ट अकैडमी स्कूल, सेक्टर 23 कोपरखैरणे के 50 विद्यार्थियों सहित वृक्षप्रेमी नागरिकों की सहभागिता से पर्यावरण जागरूकता संदेश का प्रसार एवं बीज गोले तैयार करने का प्रशिक्षण दिया गया।

'मुझ पर दुखों का पहाड़ टूटा, लेकिन...', डिप्टी सीएम बनने के बाद सुनेत्रा पवार की पहली प्रतिक्रिया

मुंबई।दिवंगत नेता अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को महाराष्ट्र का उपमुख्यमंत्री बना दिया गया है. वहीं अब ये बड़ी जिम्मेदारी मिलने के बाद सुनेत्रा पवार की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है. उन्होंने कहा कि मुझ पर दुखों का पहाड़ टूटा है लेकिन मेरे पति ने जो कर्तव्य के प्रति जो वफादारी सिखाई है उसके साथ महाराष्ट्र के विकास के लिए काम करूंगी.

सुनेत्रा पवार ने एक्स हैंडल पर लिखा, 'आदरणीय अजीतदादा ने पूरी ज़िंदगी किसानों, मज़दूरों, महिलाओं, युवाओं और ज़रूरतमंदों के लिए जीने का मंत्र दिया. आज, उनके विचारों की विरासत को आगे बढ़ाते हुए और 'शिव-शाहू-फुले-अंबेडकर' के विचारों को मानते हुए, मेरा दिल सचमुच खुशी से भर गया है क्योंकि मैं कर्तव्य की भावना के साथ डिप्टी चीफ मिनिस्टर के पद की ज़िम्मेदारी स्वीकार कर रहा हूं.'

उन्होंने आगे कहा, 'हालांकि दादा के असमय निधन से मेरे दिल पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है, लेकिन उन्होंने जो कर्तव्य के प्रति वफ़ादारी, संघर्ष की ताकत और लोगों के प्रति कमिटमेंट सिखाया, वही मेरा सच्चा सहारा है, मैं उनके सपनों का एक न्यायपूर्ण, बराबर और विकसित महाराष्ट्र बनाने के लिए ईमानदारी से काम करती रहूंगी. इस मुश्किल समय में महाराष्ट्र के लोगों का प्यार भरा साथ ही मेरी ताकत है. अपने विश्वास के बल पर, मैं दादा के विचारों को आगे बढ़ाती रहूंगी और नई उम्मीद के साथ आगे बढ़ती रहूंगा.'

'पीएम मोदी के संकल्प को करेंगे मजबूत'

उन्होंने आगे कहा, 'देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को मजबूती देने के लिए और देश के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में महाराष्ट्र के सर्वांगीण विकास को साधने के लिए राज्य सरकार सदैव तत्पर रहूंगी.'

'महाराष्ट्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे'

सुनेत्रा पवार ये भी कहा, 'महाराष्ट्र के लोकप्रिय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ मिलकर महाराष्ट्र के सर्वांगीण विकास, सामाजिक समानता, आर्थिक प्रगति और समावेशी समृद्धि को प्राप्त करने के लिए मैं सदैव प्रयासरत रहूंगी. जनता की अपेक्षाओं को न्याय देना, शासन-प्रशासन को अधिक संवेदनशील और जनोन्मुखी बनाना तथा राज्य को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाना ही मेरा संकल्प है.'

'इंसान से ज्यादा जरूरी कुर्सी', सुनेत्रा पवार के शपथ ग्रहण पर बोले शिंदे गुट के मंत्री

मुंबई। महाराष्ट्र के बारामती में 28 जनवरी को विमान हादसे में एनसीपी प्रमुख और पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार का निधन हो गया। इस दुखद घटना के तीन दिन बाद अब एनसीपी विधायक की दल की बैठक में सर्वसम्मति से अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को नेता चुना गया है। ऐसे में अब शाम पांच बजे सुनेत्रा पवार डिप्टी सीएम पद की शपथ लेंगी। इस बीच शपथ ग्रहण को लेकर की जा रही कथित जल्दबाजी पर महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और शिंदे गुट के नेता संजय शिरसाट की प्रतिक्रिया सामने आई है।

शपथ ग्रहण की जल्दबाजी को बताया अंदरूनी राजनीति

महाराष्ट्र के मंत्री और शिवसेना नेता संजय शिरसाट ने अपने बयान में कहा कि 28 जनवरी को अजित पवार की विमान दुर्घटना में मौत के कुछ ही दिनों बाद नए उपमुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह को 'बाद में होना चाहिए था'। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि इस घटनाक्रम से पता चलता है कि कुर्सी इंसान से ज्यादा जरूरी है। इसी के साथ मंत्री संजय शिरसाट ने हा कि ऐसा लगता है कि यह जल्दबाजी एनसीपी की कुछ अंदरूनी राजनीति का नतीजा है।

कुर्सी इंसान से ज्यादा जरूरीः शिरसात

छत्रपति संभाजीनगर में मीडिया से बात करते हुए शिरसात ने कहा कि पिछले दो दिनों की घटनाओं से पता चलता है कि कुर्सी इंसान से ज्यादा जरूरी है। आम लोगों को यह पसंद नहीं है। मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि ये शपथ ग्रहण समारोह थोड़ा बाद में होने चाहिए थे। उन्होंने आगे कहा कि, 'अजित पवार के निधन के बाद जो घटनाएं हम देख

रहे हैं, वे एक दिन तो होनी ही थीं। लेकिन सुनेत्रा पवार का इतनी जल्दी मुंबई रवाना होना और उनके (एनसीपी) पार्टी नेताओं के बयान हमें स्वीकार्य नहीं लग रहे हैं। इतनी जल्दबाजी क्यों? शपथ ग्रहण समारोह एक सप्ताह बाद भी हो सकता था।'

एनसीपी के विलय पर क्या बोले मंत्री?

शिरसात ने यह भी कहा कि अजित पवार की मृत्यु के बाद बदले हुए राजनीतिक परिदृश्य के कारण एनसीपी और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) के विलय में अब लंबा समय लग सकता है। शिरसात ने अपने बयान में कहा, 'कहा जा रहा है कि विलय के लिए बैठकें हुई थीं। पहले अजित पवार के फैसले का किसी ने विरोध नहीं किया था। लेकिन अब जब वे नहीं रहे, तो विलय का फैसला सामूहिक रूप से लिया जाएगा। इस प्रक्रिया में लंबा समय लग सकता है।'

शिवसेना नेता संजय निरुपम का बयान

इधर, सुनेत्रा पवार के महाराष्ट्र की डिप्टी सीएम की शपथ लेने पर शिवसेना नेता संजय निरुपम का बयान भी सामने आया। उन्होंने कहा कि यह एनसीपी का अंदरूनी मामला है। सभी विधायकों और एनसीपी नेताओं को लगा कि अजित दादा की मौत से जो जगह खाली हुई है, उसे जल्दी भरा जाना चाहिए। मुझे लगता है कि इस विचार का सम्मान किया जाना चाहिए और इस पर बेवजह कोई विवाद नहीं होना चाहिए। वहीं एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित विलय की खबरों पर उन्होंने कहा कि दोनों एनसीपी का विलय उनका अंदरूनी मामला है। हमें इस विषय पर अधिक बात नहीं करनी चाहिए।

सम्पादकीय

सम्मान, सम्मेलनों और कविता की खोती हुई सार्वजनिक चिंता

कविता समाज की सामूहिक चेतना की आवाज़ होती है। यह अपने समय का दस्तावेज़ भी है और उससे टकराने का साहस भी। लेकिन जब हम आज के अधिकांश कविता सम्मेलनों, साहित्यिक आयोजनों और तथाकथित सांस्कृतिक मंचों को देखते हैं, तो एक असहज प्रश्न सामने आता है–क्या कविता ने अपना मूल उद्देश्य खो दिया है?

आज का दृश्य लगभग एक-सा है। मंच पर कवि होते हैं और सामने बैठे श्रोता भी अधिकतर कवि ही होते हैं। कवि एक-दूसरे को बुलाते हैं, एक-दूसरे की किताबें खरीदते हैं और सम्मान आपस में बाँट लेते हैं। वही आयोजक, वही अतिथि, वही निर्णायक और वही प्रशंसक। यह साहित्यिक लोकतंत्र नहीं, बल्कि एक सीमित और आत्मसंतुष्ट दायरा है, जिसमें आम जनता की उपस्थिति लगभग नगण्य है।

यह प्रश्न उठाना ज़रूरी है कि कविता किसके लिए है? क्या यह केवल कवियों के लिए है या समाज के लिए? यदि कविता का पाठक वही व्यक्ति है जो कविता लिख रहा है, तो यह संवाद नहीं, आत्मसंवाद की स्थिति है। साहित्य का इतिहास बताता है कि जब भी रचनात्मक अभिव्यक्ति ने अपने सामाजिक सरोकार खोए हैं, वह धीरे-धीरे अप्रासंगिक हो गई है।

कविता का जन्म वातानुकूलित सभागारों में नहीं हुआ था। यह खेतों की मिट्टी से, मज़दूर के पसीने से, स्त्रियों की खा़मोशी से, दलितों के अपमान से, आदिवासियों के विस्थापन से और आम आदमी के रोज़मर्रा के दुखों से पैदा हुई है। कबीर, निराला, नागार्जुन, त्रिलोचन, पाश या मुक्तिबोध की कविता इसलिए जीवित है क्योंकि वह सत्ता से असहज प्रश्न पूछती है और समाज के हाशिये पर खड़े लोगों को आवाज़ देती है। लेकिन आज की अधिकांश कविता सत्ता के बहुत क़रीब, संस्थानों की सुरक्षित चारदीवारी में और आपसी प्रशंसा के जाल में उलझी हुई दिखाई देती है।

बड़े साहित्यिक संस्थानों, अकादमियों और विश्वविद्यालयों में हुए आयोजनों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर भरी पड़ी हैं। मुस्कुराते चेहरे, कंधों पर शॉल, हाथों में स्मृति-चिह्न और प्रशस्ति-पत्र। सवाल यह नहीं है कि सम्मान ग़लत हैं; सवाल यह है कि सम्मान किसे और क्यों दिए जा रहे हैं? क्या ये सम्मान उन रचनाओं के लिए हैं जिन्होंने समाज में कोई हलचल पैदा की है? या फिर ये नेटवर्किंग, संपर्कों और आपसी समझ का परिणाम हैं?

आज कविता भी एक तरह की 'ब्रांडिंग' बनती जा रही है। कवियों की पहचान उनकी कविता से कम और उनकी उपस्थिति, आयोजनों और तस्वीरों से ज़्यादा होने लगी है। यह स्थिति रचनात्मकता के लिए घातक है। जब कवि अपनी कविता से अधिक अपनी मौजूदगी पर ध्यान देने लगते हैं, तब कविता धीरे-धीरे आत्मप्रचार का साधन बन जाती है।

एक गंभीर प्रश्न पाठकों से भी जुड़ा है। आम पाठक कविता से दूर क्यों हो रहा है? इसका उत्तर केवल पाठकों की अरुचि में नहीं, बल्कि कविता के बदलते स्वरूप में भी छिपा है। जब कविता रोज़मर्रा की ज़िंदगी की भाषा, पीड़ा और सवालों से कट जाती है, तो वह केवल एक बौद्धिक अभ्यास बनकर रह जाती है। परिणामस्वरूप कविता मंच तक सिमट जाती है और समाज से उसका रिश्ता टूटने लगता है।

कवि की ज़िम्मेदारी केवल सौंदर्य रचना तक सीमित नहीं है, बल्कि सत्य के पक्ष में खड़े होने की भी है। कविता का काम सत्ता को सहज बनाना नहीं, बल्कि उसे असहज करना है। लेकिन आज कई कवियों को सत्ता से टकराने की बजाय उसके साथ सामंजस्य बैठाना अधिक सुरक्षित लगता है। यह सुरक्षा धीरे-धीरे कविता की आत्मा को खोखला कर देती है।

सम्मेलन संस्कृति पर भी गंभीर आत्ममंथन की आवश्यकता है। क्या हमें इतने अधिक कविता सम्मेलन चाहिए, या कविता को समाज तक पहुँचाने के नए रास्ते तलाशने चाहिए? क्या कविता केवल मंच से पढ़े जाने के लिए है, या उसे स्कूलों, कॉलेजों, मज़दूर बस्तियों, गाँवों और आंदोलनों तक पहुँचना चाहिए? यदि कविता कुछ चुनिंदा लोगों तक ही सीमित रह जाएगी, तो उसका सामाजिक प्रभाव शून्य हो जाएगा।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि 'सरोकारी' होना कभी-कभी एक फैशन बन जाता है। ग़रीबी, स्त्रियाँ और हाशियाकरण मंचों पर चर्चा का विषय बनते हैं, लेकिन ये मुद्दे अक्सर प्रतीकात्मक ही रह जाते हैं। उनका वास्तविक जीवन के संघर्षों से सीधा संबंध नहीं बन पाता। कविता तभी जीवित रह सकती है जब वह सामाजिक और वैचारिक–दोनों तरह के जोखिम उठाने को तैयार हो।

कविता का संकट केवल कवियों का संकट नहीं है, बल्कि समाज की सांस्कृतिक चेतना का संकट है। जब साहित्य आत्मालोचना छोड़ देता है, तो वह केवल सजावट बनकर रह जाता है। और जब सजावट ही उद्देश्य बन जाए, तो प्रश्न, संघर्ष और परिवर्तन की संभावना समाप्त हो जाती है।

आज कवियों को अपने भीतर झाँकने की ज़रूरत है। यह पूछने की ज़रूरत है कि वे क्यों लिखते हैं–सम्मान के लिए, मंच के लिए या समाज के लिए? यह आत्ममंथन असुविधाजनक हो सकता है, लेकिन अनिवार्य है। क्योंकि कविता का मूल्य तालियों, प्रमाण-पत्रों या तस्वीरों से नहीं आँका जाता। उसका मूल्य इस बात से तय होता है कि वह किसके पक्ष में खड़ी है और किनसे सवाल करती है।

अंततः कविता का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि वह अपनी आत्ममुग्ध सीमाओं से बाहर निकलकर जीवन की धूल में दोबारा उतरने का साहस करती है या नहीं। यदि कविता समाज की धड़कन से कट गई, तो वह एक संग्रहालय की वस्तु बन जाएगी–सुंदर, लेकिन निर्जीव। कविता को जीवित रखने के लिए कवि का जीवित समाज से जुड़ना अनिवार्य है। यही उसका कर्तव्य है, यही उसका अर्थ है।

ट्रंप या पुतिन नहीं, हमारी सोच है परेशानियों की वजह
जिस रास्ते पर दुनिया चल रही है, खतरनाक है वह

दुनिया संकट के मुहाने पर है। इसका कारण ट्रंप और पुतिन नहीं, हम स्वयं हैं। भौतिकता हमें इतनी रास आने लगी है कि हम उसका गुलाम बनने में अपनी सफलता मान रहे हैं। और यही 'गुलामी' हमें व्यक्तिवादी, मानसिक रूप से आलसी बनाती है और किसी भी प्रकार का जोखिम उठाने से रोकती है। इसी भौतिकता केंद्रित संस्कृति से उपजी भिन्न राजनीतिक संस्कृति को हम नापसंद तो करते हैं, पर नकारने की स्थिति में नहीं होते हैं। ट्रंप का अमेरिकी लोकतंत्र में फिर से उदय यही प्रमाणित करता है।

विकसित लोकतंत्र का दावा करने वाले देश के शीर्ष पर बैठे राजनेता मध्ययुगीन राजाओं की तरह व्यवहार कर रहे हैं। ताकत की भाषा ने तर्क की भाषा को पूरी तरह विस्थापित कर दिया है। ट्रंपवाद का मतलब है 'जिसकी लाठी उसकी भैंस'। यह कोई कूटनीति नहीं है, बर्बर मध्ययुगीन संस्कृति है। युद्ध, मारकाट, चेतावनी, धमकी, अमर्यादित भाषा कथित विकसित लोकतंत्र के राजनयिकों का चरित्र हो गया है और हम उसे नियति मानकर स्वीकार कर रहे हैं।

प्रतिकार, संशोधन या असहमति का संगठित स्वर अंकुरित होने से पूर्व ही समाप्त हो जाता है। ऐसा नहीं है कि इन समस्याओं के बारे में लोग नहीं जानते हैं। पर समाधान के लिए मंथन तो दूर, पहल भी नहीं हो रही है।

समाधान का सूत्र गणितीय नहीं होता है, जिसे लागू करते ही हम क्षण भर में इच्छित परिणाम तक पहुंच जाते हैं। यह समाजशास्त्रीय है। यह मनुष्य को फिर से मनुष्य बनाता है। यूरोप में मार्टिन लूथर से मार्टिन लूथर किंग (जूनियर) ने विवेकवाद को उभारा। इसमें तीन बातें है–भाग्यवादी सोच पर हमला, समानता के लिए आग्रह और विवेक के आधार पर घटनाओं, दर्शन और नायकों को परखने की क्षमता का विकास।

इनके समन्वय से वैज्ञानिक सोच और आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होती है। इसकी कमी सर्वत्र महसूस की जा रही है। समाजशास्त्र, साहित्य और सुधारक की त्रिवेणी जब बहती है, तब नए दौर की शुरुआत होती है। वाल्तेयर (1694-1778) ने साहित्यिक लेखन से बदलाव को जन्म दिया। वे कैथोलिक चर्च की ताकत से घबराए नहीं। धर्म की आड़ में बढ़ती अराजक सोच, विभाजनकारी प्रवृतियों को उन्होंने निशाना बनाया।

व्यक्ति की अपनी अहमियत तब दिखाई पड़ने लगी, जब वह 'विवेक' और 'वैज्ञानिक सोच' को अपनाने लगा। फिर भेड़चाल थमने लगती है। थामस कार्लाइल, गोर्की, टाल्सटाय जैसे अनेक नाम हैं, जिन्होंने मनुष्य की जड़ता, सोच में यथास्थितिवाद और मस्तिष्क के आलस्य को खत्म किया।

यह मनुष्य को असहमत होने की ताकत देता है। असहमति तो होती है, पर मन के बाहर निकालकर सार्वजनिक करने की क्षमता नहीं होती है। लोकतंत्र में इसका केंद्रीय स्थान होता है। यह सूक्ष्म होता है, पर स्थूल के बुनियाद को हिला देता है। वैसे ही जैसे चींटी हाथी की सूंड़ में प्रवेश कर उसे बेचैन कर देती है।

आंद्रेई सखारोव भौतिक विज्ञानी थे। पूर्व सोवियत संघ में उन्होंने व्यवस्था से असहमति का सवाल उठाकर उसे प्रतीकात्मक बना दिया। वे मानवाधिकार के प्रवक्ता बनकर उभरे। ठीक उसी प्रकार चेकोस्लोवाकिया में ताकतवर राजनीतिक व्यवस्था की वैधानिकता को वाकलाव हावेल की पुस्तक 'द पावर आफ पावरलेस' ने चुनौती दी थी।

आज संकट गहरा है। हमने भौतिक चमक-दमक को आधुनिक मनुष्य होने का एकमात्र विकल्प मान लिया है। मध्ययुग से आधुनिक युग में प्रवेश मनुष्य के आचरण, उसकी सोच और मस्तिष्क में परिवर्तन के कारण हुआ था। वह प्रक्रिया थम गई है।

भारत में समाज सुधार और साहित्य की भूमिका तो रही है, समाजशास्त्र अपने पांवों पर कभी खड़ा ही नहीं हुआ। साहित्य ही समाजशास्त्र की कमियों को कुछ हद तक भरता रहा है। प्रेमचंद से लेकर रामधारी सिंह दिनकर की प्रगतिशील लेखनी इसके प्रमाण हैं। राजा राममोहन राय से लेकर एम जी राणाडे मनुष्य के चिंतन में बदलाव की सामाजिक पहल करते रहे।

बदलाव पर तब ग्रहण लगता है, जब सोच, चिंतन, दृष्टिकोणों का केंद्रीकरण हो जाता है। यह आलोचनात्मक प्रवृत्ति, जो विशेषता होती है, उसे अनपेक्षित बना देती है। भेड़चाल यहीं से शुरू होती है।

साम्यवाद समाप्त हो गया, उसकी सोच का केंद्रीकरण उसके शत्रुओं ने भी उपयोगी मानकर अपना लिया है। रास्ता सोच के विकेंद्रीकरण में है। पश्चिम में क्लबों और भारत में सार्वजनिक स्थानों या खुले आसमान के नीचे बैठकर यह होता रहा है। वहां इसी ने 'फेबियन समाजवाद' को जन्म दिया, तो भारत में अद्वैत और नवन्याय का दर्शन विकसित हुआ।

भौतिकता के अपने हथियार होते हैं। यह मनुष्य को दूसरे प्रकार का व्यक्तिवादी बनाता है। मध्ययुग के बाद जो व्यक्तिवाद आया, उसमें व्यक्ति अपने अस्तित्व को विवेक और असहमति के अधिकारों में देखता था। अब जो व्यक्तिवाद है, उसमें वह स्वयं के भौतिक सुख के लिए सब कुछ, जिसमें पारिवारिक, सामुदायिक जिम्मेदारी होती है, को नकारने में देखता है।

भौतिकता आर्थिक संस्कृति की सर्वोच्चता स्थापित कर साहित्य, समाजशास्त्र और सुधार को भी अपने अधीनस्थ कर लेती है। राजाओं के किसी 'नवरत्न' ने समाज को सूक्ष्म या स्थूल स्तर पर बदलने वाली रचना नहीं की है।

दुनिया में बदलाव का नेतृत्व हमेशा विश्वविद्यालय परिसर के बाहर के बौद्धिकों द्वारा हुआ है। आज जब मनुष्य संकट से जूझ रहा है, तब नाम का डंका पीटने वाले आक्सफोर्ड, कैम्ब्रिज, हावर्ड विश्वविद्यालयों के बौद्धिक असहमति का वैकल्पिक दर्शन देने की बात तो दूर, अपने आपको बचाने में ही अपना बौद्धिक पसीना बहा रहे हैं।

विश्वविद्यालय करिअरवाद की बुनियाद रखता है। जो अपवादस्वरूप इससे बच निकलते हैं, वे ही परिवर्तन के सारथी बनते हैं। आज पूंजीवाद के विकृत रूप ने मनुष्य को वैज्ञानिक चिंतन और आलोचनात्मक दृष्टि के स्व-समर्पण के लिए वातावरण पैदा कर दिया है। यह नस्ल, धर्म, जाति एवं संकीर्ण पहचानों के प्रवक्ताओं और आंदोलनों को सहायता तथा समर्थन देता है। वहीं यह आज के साहित्य और समाजशास्त्र का संगीत बनकर दुनिया के कानों को सुख दे रहा है। इसे तोड़ना ही विवेकवाद का जन्म होगा।

आशा-आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का स्वैच्छिक योगदान

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत के ग्रामीण समाज में महिला सशक्तिकरण, पोषण और स्वास्थ्य काफी हद तक आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं पर निर्भर करता है। यही वे महिलाएँ हैं जो घर-घर जाकर टीकाकरण करती हैं, बच्चों में कुपोषण की पहचान करती हैं, गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव में सहायता देती हैं और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कोविड-19 जैसी महामारी में इन्हें अग्रिम पंक्ति के सिपाहियों की तरह लगाया गया, लेकिन आज ये महिलाएँ सड़कों पर हैं–कहीं पश्चिम बंगाल के सियालदह रेलवे स्टेशन पर, तो कहीं कर्नाटक के फाउंटेन चौक पर। इनकी स्थिति दयनीय है–जो महिलाएँ देश के स्वास्थ्य की देखभाल करती हैं, क्या उन्हें श्रमिक का दर्जा नहीं दिया जाएगा?

आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की माँगें असाधारण नहीं हैं–न्यूनतम वेतन, पेंशन, ग्रेच्युटी, तृतीय श्रेणी कर्मचारी का दर्जा और सामाजिक सुरक्षा। फिर भी सरकारें उन्हें औपचारिक श्रम अधिकार देने से इनकार करती हैं और उन्हें स्वयंसेवक या परियोजना कर्मी बताकर टाल देती हैं। December 2025 से January 2026 तक देशव्यापी हड़तालें इसी लंबे समय से चली आ रही उपेक्षा की सार्वजनिक अभिव्यक्ति हैं।

आंगनवाड़ी योजना और आशा योजना की शुरुआत क्रमशः 1975 में आईसीडीएस के तहत और 2005 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत की गई थी। इनका उद्देश्य स्थानीय महिलाओं की भागीदारी के माध्यम से ग्रामीण स्वास्थ्य और पोषण प्रणालियों को सुदृढ़ करना था। प्रारंभ में सरकारी व्यय सीमित रखने के लिए स्वैच्छिक व्यवस्था अपनाई गई, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि ये महिलाएँ पूर्णकालिक कर्मियों की तरह काम कर रही हैं। एक आशा कार्यकर्ता को 1,000 लोगों की देखभाल करनी होती है, जबकि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता 40 बच्चों के साथ-साथ गर्भवती महिलाओं की देखभाल, पोषण वितरण और अभिलेखों का संधारण करती हैं।

2006 में सर्वोच्च न्यायालय ने यह कहते हुए इन्हें सरकारी कर्मचारी नहीं माना कि इनके पद वैधानिक नहीं हैं, लेकिन इस निर्णय को भी नजरअंदाज किया गया। हालांकि 2022 में एक निर्णय के तहत 2013 के आईसीडीएस अधिनियम के अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को ग्रेच्युटी का अधिकार दिया गया। बाद में 2024 में गुजरात उच्च न्यायालय ने समानता के सिद्धांत के आधार पर इन्हें राज्य कर्मचारी माना, जबकि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पदोन्नति के मुद्दे पर विचार करने का निर्देश दिया। इसके बावजूद केंद्र और राज्य की नीतियाँ असंगत और अव्यवस्थित बनी हुई हैं।

मानदेय की प्रथा शर्मनाक है। आशा कार्यकर्ताओं को ?3,500 से ?6,000 का न्यूनतम मानदेय मिलता है, वह भी प्रोत्साहनों पर आधारित। कर्नाटक में मानदेय ?6,000 निर्धारित है, लेकिन उसका भुगतान 8-9 महीने की देरी से होता है। आंगनवाड़ी पर्यवेक्षकों को औसतन ?15,000 मिलते हैं। न छुट्टियाँ हैं, न परिवहन भत्ता, न ही पर्याप्त व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण। मातृत्व अवकाश भी सीमित है और कार्यभार लगातार बढ़ता जा रहा है।

स्वयंसेवक कहे जाने के कारण ये न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948, समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976 और चार नए श्रम कानूनों के दायरे से बाहर हैं। 45वें भारतीय श्रम सम्मेलन की ?26,000 न्यूनतम वेतन की सिफारिश अब तक लागू नहीं हुई है। ईपीएफ और ईएसआई जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ उपलब्ध नहीं हैं। सेवानिवृत्ति पेंशन में ?1,200 की वृद्धि की माँग वर्षों से लंबित है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ई-श्रम कार्ड केवल डेटा संग्रह करता है, कोई पात्रता प्रदान नहीं करता।

विडंबना यह है कि जो महिलाएँ देश में कुपोषण और शिशु मृत्यु दर घटाने में अहम भूमिका निभाती हैं, वही स्वयं असुरक्षित हैं। एनएफएचएस-5 रिपोर्ट के अनुसार भारत में 35 प्रतिशत बच्चे ठिगनापन से पीड़ित हैं और शिशु मृत्यु दर 28 प्रति हजार है। इन आँकड़ों में सुधार में आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का बड़ा योगदान रहा है। कोविड-19 के दौरान 500 से अधिक कार्यकर्ताओं की मृत्यु हुई; मुआवज़े की घोषणा तो हुई, पर भुगतान में भारी देरी हुई। हरियाणा जैसे राज्यों में 20 प्रतिशत पद रिक्त होने से मानसिक तनाव और कार्यभार और बढ़ गया है।

यह समस्या राजनीतिक रूप से भी स्वीकार की गई है। सोनिया गांधी ने अमर्स 16, 2025 को राज्यसभा में यह मुद्दा उठाया।ˇलू 2026 में कुछ संकेत दिए गए, लेकिन कोई ठोस और बाध्यकारी निर्णय नहीं लिया गया। यूनियनों ने स्पष्ट कर दिया है कि माँगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन और तेज किए जाएंगे।

समाधान आधे-अधूरे नहीं, बल्कि संरचनात्मक होने चाहिए। योजना के अंतर्गत कार्यरत कर्मियों को श्रम कानूनों के माध्यम से कर्मचारी का दर्जा दिया जाना चाहिए। इसके लिए ?26,000 का न्यूनतम वेतन, 10,000 की पेंशन और अनिवार्य ईपीएफ आवश्यक है। केंद्र सरकार को मानदेय का कम से कम 50 प्रतिशत वहन करना चाहिए और राज्यों को सभी रिक्त पद तत्काल भरने चाहिए। ओवरटाइम, मातृत्व अवकाश, स्थायी कार्यस्थल, ऑनलाइन प्रशिक्षण और ट्रेड यूनियनों की मान्यता दी जानी चाहिए। पंचायती राज के माध्यम से स्थानीय स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए।

आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता किसी योजना की औपचारिक चेहरा मात्र नहीं हैं; वे लाखों परिवारों की वास्तविक आशा हैं। स्वयंसेवा और काम के बीच यह भेदभाव घोर अन्याय है। गणतंत्र के 77वें वर्ष में, जब भारत स्वयं को वैश्विक नेतृत्वकर्ता बताता है, इन महिलाओं का सम्मान नीति का नहीं, बल्कि संवैधानिक नैतिकता का प्रश्न है।

ये विरोध-प्रदर्शन एक संदेश हैं–न्याय में देरी, क्रांति को जन्म देती है।

आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता किसी भी योजना के पूरक नहीं, बल्कि भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्हें स्वयंसेवक कहकर श्रम अधिकारों से वंचित करना सामाजिक न्याय और संवैधानिक समानता का अपमान है। जो महिलाएँ महामारी, कुपोषण और मातृ मृत्यु दर से देश को बचाने की अग्रिम पंक्ति में रहीं, वे आज स्वयं असुरक्षित हैं। ये आंदोलन बताते हैं कि समय समाप्त हो रहा है। यदि गणतंत्र को मजबूत करना है, तो इन महिलाओं को अधिकार, सुरक्षा और सम्मान देना ही होगा। न्याय में देरी हो सकती है, लेकिन उससे बचा नहीं जा सकता।

मुक्त व्यापार समझौतों का सुकूनदेह परिदृश्य

डॉ. जयंतीलाल भंडारी
(प्रख्यात अर्थशास्त्री)

यकीनन इस समय भारत के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का सुकूनदेह परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। 21 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच की 56वीं बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेरे करीबी दोस्त और एक सम्मानित वैश्विक नेता हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका और भारत शीघ्र ही एक शानदार व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को आकार देते हुए दिखाई देंगे। इसी तरह 20 जनवरी को यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच पर अपने संबोधन में कहा कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) एक ऐसे ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की कगार पर हैं, जिससे दो अरब लोगों का विशाल बाजार बनेगा। यह बाजार वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग एक चौथाई हिस्सा होगा। उन्होंने इस समझौते को सभी समझौतों की जननी करार दिया है। वस्तुतः भारत और 27 देशों के ईयू के बीच एफटीए पर पिछले 18 वर्षों से जारी वार्ता अंतिम दौर में है। उम्मीद है कि 27 जनवरी को नई दिल्ली में आयोजित भारत-यूरोपीय शिखर सम्मेलन के दौरान यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला और यूरोपीयन परिषद के अध्यक्ष एंटोनिया कास्टा की उपस्थिति में भारत-यूरोपीय संघ के बीच एफटीए पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

गौरतलब है कि भारत और ईयू के बीच यह एफटीए एक ऐसे समय में सुनिश्चित हो रहा है, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भारत और यूरोपीय देशों के खिलाफ टैरिफ का इस्तेमाल करके भारत और ईयू दोनों के वैश्विक व्यापार को प्रभावित कर रहे हैं। पिछले वर्ष भारत और ईयू के बीच 135 अरब डॉलर से अधिक का व्यापार हुआ है। ऐसे में ईयू से एफटीए टेक्सटाइल व कृषि निर्यात को सबसे अधिक लाभ दे सकता है। अभी कृषि, मांस और अन्य प्रोसेस्ड उत्पादों को ईयू में निर्यात करने पर 15.2 प्रतिशत तो टेक्सटाइल व गारमेंट पर 10 प्रतिशत का शुल्क लगता है। व्यापार समझौते के बाद ईयू के बाजार में इन वस्तुओं पर शून्य शुल्क हो जाएगा और इन भारतीय उत्पादों का निर्यात ईयू के बाजार में कई गुना बढ़ जाएगा।

यह बात भी महत्वपूर्ण है कि पिछले वर्ष मार्च 2025 से भारत और अमेरिका बीच बीटीए को लेकर चली आ रही वार्ता का सातवाँ दौर 13 जनवरी से भारत में अमेरिका राजदूत सर्जियागोर की पहल पर शुरु हुआ है और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने शीघ्र ही बीटीए के आकार लेने की बात कही है। यद्यपि 19 जनवरी को अमेरिका-भारत स्ट्रेटेजिक पाटर्नरशिप फोरम के प्रेसीडेंट मुकेश अघी ने कहा है कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापक व्यापार समझौता आगामी तीन महीनों में संभावित है, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के लिए बार-बार वार्ता के लक्ष्य बदले हैं। शुरुआत में ट्रंप ने कहा कि भारत अमेरिका से अधिक खरीद कर व्यापार घाटे को कम करे। उसके बाद वे रूसी तेल पर केंद्रित हो गए और पिछले दिनों यह समझौता केवल भारत द्वारा ट्रंप को खुश नहीं किए जाने से अधर में लटका हुआ बताया गया था। ऐसे में भारत के लिए उपयुक्त यही है कि वह अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता आगे बढ़ाते हुए अमेरिका के बाजार में निर्यात मे रूकावट और ऐसे निर्यात की भरपाई के लिए नई वैकल्पिक व्यवस्था स्थापित करने की रणनीति के साथ आगे बढ़े।

इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारत के लिए पिछले वर्ष 2025 में ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ किए गए एफटीए का इस वर्ष 2026 में कार्यान्वयन अहम होगा। विगत 22 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते की घोषणा की है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा कि भारत-न्यूजीलैंड की साझेदारी नई ऊंचाइयों पर पहुंचने वाली है। विगत 18 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक की मौजूदगी में मस्कट में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ओमान के उनके समकक्ष कैस बिन मोहम्मद अल यूसुफ ने मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस एफटीए को आधिकारिक तौर पर समग्र आर्थिक भागीदारी समझौता (सीपा) कहा गया है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारत-ओमान एफटीए के तहत भारत के 98 प्रतिशत निर्यात को ओमान के बाजार में शून्य पर पहुंच मिलेगी। इसमें ओमान को होने वाले 99 प्रतिशत से अधिक निर्यात शामिल हैं। इस समझौते से भारत के कपड़ा, रत्न-आभूषण, दवाई, वाहन, कृषि उत्पाद और चमड़ा उद्योग को बड़ा फायदा होने की उम्मीद है। इसी तरह विगत वर्ष भारत और ब्रिटेन के बीच किया गया एफटीए भी महत्वपूर्ण है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत और ब्रिटेन (यूके) के बीच एफटीए से दोनों देश के बीच आपसी कारोबार ऊँचाई पर होगा और नए अवसर बेजोड़ होंगे।

इन सबके साथ-साथ इन सबके साथ-साथ 2026 में मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के साथ एफटीए के लाभ अधिक मिलते हुए दिखाई देंगे। साथ ही वर्ष 2026 में पेरू,चिली, आसियान, मैक्सिको, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजराइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी नए एफटीए आकार लेते हुए दिखाई देंगे। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारत के द्वारा विभिन्न देशों के साथ एफटीए के अधिकतम लाभ उठाने के लिए घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने, एफटीए के लिए जागरूकता बढ़ाने, गैर-टैरिफ बाधाएं दूर करने, सेवा क्षेत्र का लाभ उठाने, निर्यात में विविधता लाने, कृषि और संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा करने, व्यापार संतुलन को भारत के पक्ष में लाने के साथ-साथ, पर्यावरण और श्रम मानकों के परिपालन पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी होगा।

उम्मीद करें कि भारत एफटीए की नई आर्थिक शक्ति से निर्यात, सेवा, निवेश, तकनीकी सहयोग और पेशेवरों की आवाजाही को नई ऊँचाई देते हुए भारत को वर्ष 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और वर्ष 2047 तक विकसित देश बनाने की डगर पर आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा।
(लेखक ख्यात अर्थशास्त्री हैं।)

श्रीकृष्णार्पित गीतायन - अध्याय 5

सांख्य-कर्म-साम्य-योग

माघ मेला प्रयागराज के कृष्णार्पित पंडाल में पांचवे दिन की कथा कहते हुए इं. देवेंद्र नाथ शुक्ला 'कृष्णार्पित' जी ने कहा कि आज हम पाँचवें दिन श्रीकृष्णार्पित गीतायन के अध्याय-5 में प्रवेश कर रहे हैं। अर्जुन, जो अभी भी संन्यास और कर्मयोग की श्रेष्ठता को लेकर भ्रमित हैं, उनके हृदय की जिज्ञासा को भगवान श्रीकृष्ण ने इस अध्याय में शांत किया है। शास्त्र कहता है– कर्मयोग सन्यास में, भ्रमित पार्थ को जान। कृष्ण बताते हैं पुनः, दोनों का विज्ञान।। अर्थात्, संन्यास और कर्मयोग दोनों में सिद्धि का मार्ग है, किन्तु साधक के लिए कर्म का त्याग करना कठिन है। इसलिए निष्काम भाव से कर्म करना और स्वयं को कर्ता न मानना ही सर्वोत्तम है। काम, क्रोध का परित्याग कर शान्त चित्त से 'श्रीकृष्णार्पित' होकर जीवन व्यतीत करना चाहिए। श्रोताओं को समझाते हुए बोले– अर्जुन ने पूछा– सन्यासं कर्मणां कृष्ण पुनर्योगं च शंससि। यच्छ्रेय एतयोरेकं तन्मे ब्रूहि सुनिश्चितम्? 5.1 ? 'हे केशव! आपने संन्यास की भी प्रशंसा की और कर्मयोग की भी। इनमें कौन सा मार्ग निश्चित रूप से श्रेय प्रदान करता है?' भगवान मुस्कुराए और समझाया– 'अर्जुन, दोनों मार्ग श्रेष्ठ हैं, पर कर्मयोग सहज और अधिक फलदायक है। जो मनुष्य कर्म करता है, पर फल की इच्छा नहीं रखता, वही सच्चा योगी कहलाता है। सन्यासः

ा ा ा ा ा ा ा ा निःश्रेयसकरावुभौ। तयोस्तु कर्मसन्यासात्कर्मयोगो विशिष्यते? 5.2 ? दोनों ही मोक्ष प्रदान करते हैं, पर कर्मयोग सरल मार्ग है, जो जीवन में पालन कर सकता है। फिर उन्होंने श्रोताओं को विस्तार से समझाया– 'सच्चे संन्यासी की पहचान यह है– ज्ञेयः स नित्यसन्यासी यो न द्वेष्टि न काङ्क्षति। निर्द्वन्द्वो हि महाबाहो सुखं बन्धात्प्रमुच्यते? 5.3 ? जो मनुष्य द्वेष और कामना से मुक्त है, फल की आकांक्षा नहीं रखता, वही बन्धनों से मुक्त और सुखी है। शास्त्र में भी कहा गया है– कर्म विधान एक सा होता, ज्ञान समान उभय में होता। नहीं कामना है दोनों में, फल की चाह नहीं दोनों में। किसी एकको नर अपनाता, विधिवत पथ पर चलता जाता।। अर्जुन, यदि हम इन दोनों मार्गों को पृथक समझें, तो भ्रम उत्पन्न होगा। सच्चा श्रोता वही है जो गुरु के वचन से संशय दूर कर सत्य मार्ग अपनाए। देवेंद्र नाथ शुक्ला जी ने बताया– 'अब मैं आपको संन्यास और कर्मयोग की अवस्था समझाता हूँ। मांध कर्म साध्य एवं, द्वेष नहीं जो रिप से करता। राग नहीं स्वजनों से रखता।। वह नहीं किसी से करता। कर्म फलों में संग न करता।। करता कर्म मुक्त पर मन है। सच्चा सन्यायी वह नर है।। जो मनुष्य इस अवस्था में होता है, वह द्वंद्व से रहित, मन में भ्रम या संशय न होने वाला होता है। सहज सुखी जीवन वह जीता है और इसे कहते हैं–'श्रीकृष्णार्पित जीवन'। नियत कर्म उसकी पूजा है। यज्ञ हेतु सब कर्म रचा है।। जग के बन्धन बाँध न पाते। मोह राग से टूटे नाते।। बन्धन मुक्त वो हो जाता है। सन्यासी ही कहलाता है।। सहज योग ऐसा नर पाता। बन्धन मुक्त सुखी हो जाता।। देखिए श्रोतागण, यह वही योग और संन्यास की विलक्षण अवस्था है, जहाँ मनुष्य कर्त्ता भाव त्याग कर, कर्म करता है। फिर भगवान ने अर्जुन को समझाया– 'ज्ञान योग से जो फल मिलता, वही कर्म योग से भी प्राप्त होता है। यदि आप अलग समझें, तो भेद कहाँ? पृथक-पृथक दोनों को मानें। दोनों में अन्तर जो जाने। जानी उसे न समझो अर्जुन। पण्डित उसे न मानों अर्जुन।। लक्ष्य एक है, मार्ग अलग प्रतीत होते हैं, पर परिणाम समान है। है समान जीवन दोनों का। लक्ष्य एक ही है दोनों का।। कर्म विधान एक सा होता। ज्ञान समान उभय में होता।। नहीं कामना है दोनों में। फल की चाह नहीं दोनों में।। अंत में उन्होंने कहा– 'प्रिय श्रोतागण, जो योगी सदा द्वेष, क्रोध, कामना से रहित रहता है, वह संसार में भी मुक्त रहता है। ब्रह्मज्ञान और निष्काम कर्म उसे संपूर्ण शांति और आनंद देते हैं। भोक्तारं यज्ञतपसां सर्वलोकमहेश्वरम्। सुहृदं सर्वभूतानां ज्ञात्वा मां शान्तिमृच्छति? 5.29 ? जो सब जीवों का मित्र है, जो सबका कल्याण चाहता है, वही मुझमें शांति पाता है। यही है–सांख्य-कर्म-साम्य-योग का सार। कर्म करो, पर अहं त्यागो। ज्ञान लो, पर भेद न पालो। और जीवन को बनाओ 'श्रीकृष्णार्पित'। देवेंद्र नाथ शुक्ला जी ने श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा– 'श्रोतागण, यही पथ है जो हमें जीवन में बंधन मुक्त करता है,

सत्य, धर्म और आनंद की ओर ले जाता है। इस प्रकार अर्जुन का संशय दूर हुआ और उन्होंने इस मार्ग को अपनाया। कथा में भारी संख्या में श्रोतागण मौजूद थे जिनमें मुख्य रूप से इंजीनियर एस एन त्रिपाठी, के एस शुक्ला, डॉ. एसपी मिश्रा, अनुभव दुबे, डॉ. टी डी यादव इं.आशुतोष शुक्ला आदि ।

मतदाता सूची में पंजीकरण हेतु आयोजित हुआ विशेष अभियान दिवस

जिला निर्वाचन अधिकारी ने विभिन्न बूथों का स्थलीय निरीक्षण कर मतदाताओं को पंजीकरण हेतु किया जागरूक

भदोही। मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश के निर्देश के क्रम में एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार के कुशल मार्गदर्शन व पर्यवेक्षण में मतदाताओं की सुविधा के लिए 31 जनवरी 2026 शनिवार को जनपद के तीनों विधानसभाओं के समस्त बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा अपने मतदेय स्थलों पर सुबह 11:00 बजे से शाम 4:00 तक 06 जनवरी को प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची को प्रदर्शित किया गया। ऐसे मतदाता जो मृतक, अनुपस्थित, दोहरी प्रविष्टि, स्थानांतरित, गणना प्रपत्र हस्ताक्षर कर बीएलओ को वापस न देने के कारण आलेख्य मतदाता सूची में शामिल नहीं किए गए है, उनकी सूची भी प्रदर्शित की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देश में आज विशेष अभियान के दौरान प्रत्येक मतदान केन्द्र पर एक हेल्प डेस्क स्थापित किया गया जहां मतदाताओं को फार्म भरने में आवश्यक सहायता प्रदान की गई।दावे और आपत्तियों से संबंधित सभी प्रकार के फॉर्म यथा फॉर्म 6, फॉर्म 6, फॉर्म 7 व फॉर्म 8 की पर्याप्त संख्या में उपलब्धता भी सुनिश्चित रही। इसके साथ ही मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंट (बीएलए), सभासदों, ग्राम प्रधानों एवं स्वयंसेवकों का भी नियमानुसार सहयोग लिया गया।

विशेष अभियान दिवस के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार द्वारा विधानसभा ज्ञानपुर के अंतर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय ज्ञानपुर में बूथ संख्या 421 की बीएलओ रंजना कुमारी, 422 के विमल कुमार मिश्रा से जानकारी ली तथा बूथ पर आए हुए मतदाताओं से भी संवाद कर उनकी समस्याओं का समाधान कराया।

विंध्याचल मंडल के अपर आयुक्त प्रशासन रामकुमार द्विवेदी,उप जिला निर्वाचन अधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य,निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी भदोही अरुण गिरी, ज्ञानपुर भान सिंह,औराई श्याम मणि त्रिपाठी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा अपने क्षेत्रों में भ्रमण कर व्यवस्थाओं की निगरानी की गई।

सभी मतदाताओं से अपील की गई कि अपने बूथ पर जाकर 6 जनवरी को प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांच लें। यदि आपका नाम आलेख्य मतदाता सूची में न हो तो घोषणा पत्र के साथ फॉर्म 6 भरकर अपने बीएलओ को उपलब्ध करा दें अथवा ण्ब्प्ङ मोबाइल एप्लीकेशन या न्दूी.म्ब्प्.दन.ग्ह पोर्टल पर ऑनलाइन भी आवेदन कर सकते हैं। आलेख्य मतदाता सूची में अंकित अपनी प्रविष्टि में किसी भी त्रुटि को सुधारने के लिए फॉर्म 8 भरें। ऐसे युवा जिनकी आयु 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है वह भी घोषणा पत्र के साथ फॉर्म 6 भरकर मतदाता सूची में नाम दर्ज करा सकते हैं।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की सुरियावां ब्लॉक इकाई की नवगठित तदर्थ समिति का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

भदोही। भदोही सुरियावा शनिवार 31 जनवरी 2026 कोउत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई सुरियावां की नवीन गठित तदर्थ समिति के शपथ ग्रहण समारोह में ब्लॉक संयोजक डॉ ओम प्रकाश मिश्रा और सह संयोजक जितेंद्र कुमार और उनकी कार्यकारिणी को संघ की निष्ठा की शपथ दिलाई गई।जिला संयोजक धीरेंद्र कुमार यादव ने वरिष्ठ शिक्षक नेता विनोद कुमार शुक्ला को संघ का जिला संरक्षक बनने का आग्रह किया जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया। इस अवसर पर जिला सह संयोजक अरुण पाण्डेय ने ब्लॉक इकाई को संघ के नियम और कर्तव्यों को समझाया और सबको साथ लेकर चलने की सीख दी।कार्यक्रम बहुत भव्य और

सराहनीय रहा।शिक्षकों ने भरपूर समर्थन दिया।

कार्यक्रम में मुख्यतः प्रमोद मिश्रा,नवनीत सिंह,रवींद्र पाण्डेय राजेश दुबे,विनोद पाल समरजीत यादव, अरविंद उपाध्याय,योगेश पाण्डेय,संतोष यादव,बौद्ध प्रकाश पंकज उपाध्याय ,संतोष शुक्ला ,संजय मिश्रा सहित सैकड़ों की संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर गोपीगंज में भव्य महोत्सव व ऐतिहासिक शिव बारात शोभायात्रा का आयोजन

गोपीगंज। नगर स्थित बाबा बड़े शिव धाम में महाशिवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर भव्य महोत्सव एवं शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर शनिवार को मां सिंह वाहिनी श्रृंगार समिति की बैठक संपन्न हुई, जिसकी अध्यक्षता प्रबंधक रामकृष्ण खड्डू ने की।

बैठक में निर्णय लिया गया कि 15 फरवरी (रविवार) को सायं 3 बजे बाबा बड़े शिव धाम से ऐतिहासिक शिव बारात शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा में हाथी, घोड़े, बग्गी, रथ, ढोल-नगाड़ों व अन्य वाद्य यंत्रों के साथ भगवान शिव, विष्णु, ब्रह्मा, गणेश, नंदी आदि की आकर्षक झांकियां शामिल होंगी।

शिव बारात नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः बड़े शिव धाम पहुंचकर संपन्न होगी। समिति के पदाधिकारियों ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से शोभायात्रा में सहभागिता कर आयोजन को सफल बनाने की अपील की। बैठक में संरक्षक प्रहलाद दास गुप्ता, अध्यक्ष उदयभान सिंह, उपाध्यक्ष आशीष सिंह सहित समिति के अन्य पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के क्रियान्वयन हेतु जनपद स्तरीय समिति की बैठक सम्पन्न

भदोही। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के क्रियान्वयन हेतु जनपद स्तरीय समिति की बैठक मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में सम्पन्न हुयी।

परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण आदित्य कुमार द्वारा अवगत कराया गया कि मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा देश में 2028 तक सभी मकान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 01 अप्रैल, 2016 को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रीण संचालित की गयी है। योजनान्तर्गत अब तक कुल 38848 लाभार्थियों को योजना का लाभ दिया जा चुका है। नये पात्र लाभार्थियों के चयन हेतु आवास प्लस सर्वेक्षण-2024 के अन्तर्गत 546 ग्राम पंचायतों में कुल 63595 परिवारों का सर्वे किया गया है, जिसमें सेल्फ सर्वे के 14028 एवं असिस्टेड सर्वे के 49567 सम्मिलित हैं। सर्वे में कुल 63595 परिवार हैं, जिसके सापेक्ष 23041 परिवार का जॉबकार्ड फीड हो गया है, जो 36.23 प्रतिशत है। वर्तमान में 40554 जॉबकार्ड फीड कराया जाना शेष है। समस्त खण्ड विकास अधिकारी शीघ्र फीडिंग का कार्य पूर्ण करायें। समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे डिलीशन मॉड्यूल पर वेरीफाई हेतु शेष डेटा 1922 अवशेष है, जिसके प्राथमिकता के आधार पर आज ही शून्य कराया जाना सुनिश्चित करायें।

बैठक में समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को मनरेगा के स्थान पर संचालित होने वाली योजना विकसित भारत जी राम जी के संबंध में जानकारी दी गयी। निर्देशित किया गया कि योजनान्तर्गत पूर्णता हेतु शेष 8656 कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करायें। जिन 813 परिवारों को 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया गया है, उनका पंजीकरण श्रम विभाग के पोर्टल पर करायें। 170 अमृत सरोवरों का रख-रखाव एवं उसमें पानी रहने की व्यवस्था करायें । 07 निर्माणाधीन अमृत सरोवरों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करायें। समीक्षा के दौरान पाया गया कि 79896 के सापेक्ष 40265 ई-केवाईसी का कार्य पूर्ण किया गया है, जो 50.40 प्रतिशत है। समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे प्राथमिकता के आधार पर शतप्रतिशत ई-केवाईसी अतिशीघ्र पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करायें ।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को अवगत कराया गया कि एनआरएलएम अन्तर्गत 68 बैंक सखी को 16,42,000.00 माह जुलाई से दिसम्बर तक का, 68 बैंक सखी को 14,25,248.00 माह अक्टूबर, 24 से मार्च, 25 तक, एफ. एल. सीआरपी 37 को 15,73,240.00 रूपये अप्रैल, 24 से मार्च, 25 तक मानदेय का भुगतान निर्गत कर दिया गया है। समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे एनआरएलएम के कार्यों पर सर्तक दृष्टि रखें तथा सहायक विकास अधिकारी ग्राम्य विकास एवं बी.एम.एम. से समीक्षा कर योजनान्तर्गत अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करायें । 66135 जॉबकार्डधारक एवं 38848 प्रधानंत्री आवास के एवं 4502 मुख्यमंत्री आवास के लाभार्थियों को समूह में जोड़ा जाना सुनिश्चित करायें ।

तीनों श्रेणी के पेंशन के समीक्षा में समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, एवं निराश्रित महिला पेंशन के अन्तर्गत विकासखण्ड के पोर्टल पर लम्बित आवेदनों का परीक्षण कराते हुए पात्र व्यक्तियों को पेंशन की सुविधा उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें । समय-समय पर सत्यापन करते हुए अपात्र व्यक्तियों का नाम डिलीट करायें ।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के समीक्षा में समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को अवगत कराया गया कि दिनांक 12 फरवरी को मुख्यमंत्री सामुहिक शादी योजनान्तर्गत अवशेष लक्ष्य को पूर्ण किये जाने हेतु विवाह की तिथि निर्धारित है। निर्देशित किया गया कि प्रथम आवक प्रथम पावक के अनुसार शादी हेतु आवेदन किये जोड़ों का गहनता से परीक्षण कर विवाह का कार्यक्रम सम्पन्न कराया जाना सुनिश्चित करायें ।

समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देश के कम में विकासखण्डों पर साफ-सफाई करायें, बेसिक लैण्डलाईन फोन को कियाशील करायें समय से जनसुनवाई हेतु विकासखण्ड पर उपलब्ध रहें। अपने अधीनस्थ कार्मिकों की विकासखण्ड पर समय से उपस्थिति सुनिश्चित करायें ।

समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को अवगत कराया गया कि माह फरवरी एवं मार्च में जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी सहित अन्य अधिकारियों द्वारा क्षेत्र/कार्यालय भ्रमण का रोस्टर निर्गत किया गया है ।निर्देशित किया गया कि उक्त रोस्टर को संज्ञान में लेकर अपने विकासखण्ड से सम्बन्धित समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें ताकि उच्चाधिकारियों के निरीक्षण में किसी प्रकार की प्रतिकूल परिस्थिति का सामना न करना पडे ।

बैठक में समिति के सदस्यगण व समस्त खण्ड विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

अधिवर्षता पूर्ण कर सीएफओ व उपनिरीक्षक हुए सेवानिवृत्त को दी गई विदाई

भदोही।जनपद भदोही में तैनात मुख्य अग्निशमन अधिकारी विश्वरूप बनर्जी एवं उपनिरीक्षक महेंद्र सिंह ने दिनांक 31 जनवरी 2026 को अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्ति ग्रहण की। दोनों अधिकारियों ने अपने सेवाकाल के दौरान पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ दायित्वों का निर्वहन किया।

इस अवसर पर पुलिस लाइन ज्ञानपुर में आयोजित विदाई समारोह में अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल द्वारा सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को उपहार एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उज्ज्वल, सुखमय एवं समृद्ध भविष्य की

कामना करते हुए सम्मानपूर्वक विदा किया गया।

विदाई समारोह में प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे और सभी ने सेवानिवृत्त कर्मियों के दीर्घायु व सुखद जीवन की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

जेल रसोई में बनी अरहर की दाल को चखकर डीएम व एसपी ने परखी गुणवत्ता

जिला कारागार का किया संयुक्त निरीक्षण

भदोही।जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने जेल अधीक्षक अभिषेक सिंह के साथ जिला कारागार ज्ञानपुर का संयुक्त एवं आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जेल में निरुद्ध बंदियों को शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली तथा सभी सुविधाएं समय से और गुणवत्ता के साथ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में डीएम व एसपी ने पुरुष, महिला एवं किशोर बैरकों, रसोईघर, खाद्यान्न भंडार एवं जेल परिसर में संचालित डिस्पेंसरी का निरीक्षण किया। डिस्पेंसरी में उपलब्ध दवाओं एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की भी समीक्षा की गई। रसोईघर में बनी अरहर की दाल को चखकर उसकी पौष्टिकता का परीक्षण किया गया, साथ ही गोभी-मटर-टमाटर की सब्जी एवं सरसों तेल की गुणवत्ता की भी जांच की गई।

इसके पश्चात अधिकारियों ने महिला बैरक में जाकर बंदियों से संवाद किया और जेल प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। बुनकर बंदियों द्वारा निर्मित कालीनों की विविध वैरायटी एवं आकर्षक मॉडलों को देखकर डीएम व एसपी ने उनके कार्यों की सराहना की।

निरीक्षण के दौरान पेयजल व्यवस्था, शौचालय, साफ-सफाई एवं मुलाकाती पंजिका का भी अवलोकन किया गया। अधिकारियों ने व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए।

महर्षि आज़ाद राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में रायबरेली को हराकर बाँदा फाइनल में

भदोही। सुरियावां क्षेत्र स्थित महर्षि आज़ाद स्टेडियम, मेढ़ी में तेजधर ब्रह्माबाबा खेल समिति द्वारा आयोजित महर्षि आज़ाद राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत शनिवार को सेमीफाइनल मुकाबला बाँदा और रायबरेली के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में बाँदा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रायबरेली को 82 रनों से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई।

मैच में रायबरेली के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बाँदा की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 238 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया।

बाँदा की ओर से राहुल राज ने तूफानी अंदाज़ में बल्लेबाजी करते हुए 58 गेंदों पर 123 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली, जिसमें 13 चौके और 8 गगनचुंबी छक्के शामिल रहे। वहीं आशीष रत्नम ने 36 गेंदों पर 69 रनों की नाबाद तेजतर्रार पारी खेलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुँचाया।

रायबरेली की ओर से गेंदबाजी में उमर ने 2 विकेट झटके, जबकि अभिषेक और अमित को एक-एक सफलता मिली।

विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी

रायबरेली की टीम बाँदा के घातक गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 16.3 ओवर में 156 रन पर सिमट गई। रायबरेली की ओर से उमर ने 31 गेंदों पर 65 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जबकि सक्षम ने 15 गेंदों पर 24 रन बनाए, लेकिन दोनों ही बल्लेबाज टीम को जीत तक नहीं पहुँचा सके।

बाँदा की गेंदबाजी में राहुल राज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट झटके, जबकि वैभव पाल ने 3 विकेट और पंकज विश्वकर्मा ने 2 महत्वपूर्ण विकेट लेकर रायबरेली की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

82 रनों से हार के साथ रायबरेली की टीम का सफर सेमीफाइनल में ही समाप्त हो गया। रविवार को फाइनल मुकाबला सेवाश्रम इंटर कॉलेज सुरियावां और बाँदा के बीच खेला जाएगा।

सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान अंपायर की अहम भूमिका में दिल्ली से मेराज खान तथा झारखंड से अविनाश यादव मौजूद रहे।दोनों अंपायरों ने पूरे मैच में निष्पक्ष, अनुशासित एवं सराहनीय निर्णय देकर खेल को सुचारु रूप से संचालित किया।

खिलाड़ियों और दर्शकों ने उनके फैसलों की सराहना की।

मैच के विशिष्ट अतिथि रहे भदोही विधायक जाहिद जमाल बेग व डंगहर के पूर्व प्रधान रामबली पांडेय ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उत्साह बढ़ाया।इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, सचिव अमर बहादुर सिंह, विजयशंकर राय, राजमणि पांडेय, मथुरा प्रसाद बयादव, दिनेश यादव दादा,जमींदार बिंद,रवीं सिंह, राजकुमार सरोज, जेपी सिंह, रामजीत यादव ,श्याम बहादुर यादव, परमेंद्र गौतम, राकेश वर्मा,मनोज गौतम, अतुल सिंह, नितेश श्रीवास्तव, सनी सिंह सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सीडीओ ने ग्राम पंचायत नारेपार में निर्माणाधीन गौ आश्रय स्थल का किया निरीक्षण

भदोही।मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल द्वारा विकासखंड डीघ की ग्राम पंचायत नारेपार में निर्माणाधीन गौ आश्रय स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सीडीओ ने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया तथा मौके पर मौजूद अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की।

सीडीओ ने कार्यदाई संस्था सीएलडीएफ के अभियंता को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य को शासन द्वारा निर्धारित मानक विशिष्टियों के अनुरूप, गुणवत्ता बनाए रखते हुए एवं निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण कराया जाए, ताकि गौवंश संरक्षण से जुड़ी इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ शीघ्र प्राप्त हो सके।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा निर्माण की गुणवत्ता की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे।

सरकार की पाबंदी के बावजूद व्हाट्सएप कॉल पर दिया गया तीन तलाक

दहेज के लिए 11 साल तक प्रताड़ना, फिर मोबाइल पर तीन तलाक; पति समेत 5 पर केस दर्ज

भोईवाड़ा पुलिस ने बीएनएस व मुस्लिम महिला संरक्षण कानून के तहत दर्ज किया मामला।

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी में एक विवाहिता को दहेज न लाने की सजा 11 वर्षों तक शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना के रूप में भुगतनी पड़ी। प्रताड़ना की हद तब पार हो गई जब पति ने मोबाइल फोन पर व्हाट्सएप कॉल कर तीन तलाक दे दिया और महिला को घर से बाहर निकाल दिया। पीड़िता की शिकायत पर भोईवाड़ा पुलिस ने पति सहित ससुराल पक्ष के पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के अनुसार, 30 वर्षीय महिला की शादी 12 अगस्त 2014 को गौरीपाड़ा स्थित मुमताज मंजिल में रहने वाले इस्तियाक अंसारी से हुई थी। विवाह के महज एक माह बाद ही पति इस्तियाक अंसारी, सास जुबैदा अंसारी, ससुर मोहम्मद इलियास अंसारी तथा देवर अफाक अंसारी और मुश्ताक अंसारी ने महिला पर मायके से दहेज लाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया।

पीड़िता का आरोप है कि दहेज लाने से इनकार करने पर उसे छोटे-छोटे घरेलू विवादों का हवाला देकर लगातार गाली-गलौज, मारपीट और मानसिक उत्पीड़न का शिकार बनाया गया। बीते 11 वर्षों तक उसे ससुराल में शारीरिक और मानसिक यातनाएं दी जाती रहीं। महिला ने बताया कि 17 जनवरी 2026 को प्रताड़ना की सारी सीमाएं लांघते हुए उसके पति ने व्हाट्सएप कॉल कर उसे तीन बार तलाक कहा और तुरंत घर से निकाल दिया। जबकि सरकार द्वारा तीन तलाक की प्रथा पर कानूनी रूप से रोक लगाए जाने के बावजूद यह कदम उठाया गया। लगातार प्रताड़ना और अवैध रूप से दिए गए तीन तलाक से टूट चुकी महिला ने आखिरकार पुलिस का दरवाजा खटखटाया। उसकी शिकायत पर भोईवाड़ा पुलिस ने सीआर नंबर 61/2026 के तहत पति, सास, ससुर और दो देवरों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 85, 115(2), 352, 3(5) तथा मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण अधिनियम 2019 की धारा 3 और 4 के तहत मामला दर्ज किया है। हालांकि, इस गंभीर मामले में अब तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं की गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है। इस घटना ने एक बार फिर दहेज उत्पीड़न और प्रतिबंधित तीन तलाक जैसी सामाजिक कुरीतियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

क्लासेस जाने निकली नाबालिग लड़की लापता, अपहरण की आशंका

भिवंडी में बढ़ती अपहरण की घटनाओं से अभिभावकों में दहशत, पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी शहर में नाबालिग बच्चों के अपहरण की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामले में ट्यूशन क्लासेस जाने के लिए घर से निकली 15 वर्षीय नाबालिग लड़की रहस्यमय तरीके से गायब हो गई। परिजनों की शिकायत पर भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में अपहरण का मामला दर्ज कर पुलिस ने तलाश शुरू कर दी है। हालांकि, लगातार सामने आ रही घटनाओं और पुलिस की कथित उदासीनता से अभिभावकों में भय और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन की सीमा में रहने वाली नाबालिग लड़की 29 जनवरी को दोपहर करीब 1 बजे घर से ट्यूशन क्लासेस जाने के लिए निकली थी। देर शाम तक जब वह घर नहीं लौटी तो परिजनों ने आसपास के इलाकों, रिश्तेदारों और परिचितों के यहां उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद नाबालिग की मां ने भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन पहुंचकर अपनी बेटी के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई। महिला ने आशंका जताई है कि उसकी बेटी के नाबालिग और भोलेपन का फायदा उठाकर किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसे बहला-फुसलाकर अपहरण कर लिया है।फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर नाबालिग की तलाश शुरू कर दी है और विभिन्न स्थानों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। साथ ही संभावित ठिकानों पर पूछताछ भी की जा रही है।

गौरतलब है कि पिछले एक सप्ताह के दौरान भिवंडी शहर और आसपास के इलाकों से करीब नौ नाबालिग बच्चों के लापता होने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इनमें से कई मामलों में अब तक बच्चों का कोई सुराग नहीं लग पाया है। ऐसे में पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं और अभिभावकों में अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता व्याप्त है। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने पुलिस प्रशासन से अपहरण की बढ़ती घटनाओं पर सख्ती से अंकुश लगाने और लापता नाबालिगों की शीघ्र बरामदगी की मांग की है।

एटीएम से कार्ड बदल कर खाते से निकाले बीस हजार, मुकदमा दर्ज

गोपीगंज। नगर के पड़ाव स्थित पंजाब नैशनल बैंक के एटीम पर कार्ड बदल कर खाते से 20 हजार रुपया निकाल लेने के मामले में मुकदमा कायम कर पुलिस जांच पड़ताल शुरु कर दी है। गोपीगंज थाना क्षेत्र के रैपुरी गांव निवासी दुर्गा प्रसाद ने थाने में तहरीर देकर घटना की जानकारी दी,अवगत कराया कि 29 जनवरी को पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम से पैसा निकालने गया था उसी दौरान सफेद कलर के ड्रेस में एक युवक एटीएम के पास आया और चोरी से मशीन मे लगा एटीएम बदल दिया वह इस घटना को नही देख पाया लगभग 4 मिनट के बाद उसके खाते से पांच पांच हजार रूपये करके चार बार में बीस हजार रूपये निकाल लिया। तहरीर पर कार्रवाई करते हुए मुकदमा कायम कर पुलिस मामले की जांच पड़ताल शुरु कर दिया है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का समापन समारोह भव्यता के साथ संपन्न

भदोही।परिवहन विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह (01 से 31 जनवरी 2026) का समापन समारोह जनपद भदोही में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने सहभागिता कर जनमानस को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने कहा कि जन-जागरूकता से ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी संभव है, जबकि पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने हेलमेट, सीट बेल्ट के प्रयोग, ओवरस्पीडिंग व नशे में वाहन न चलाने तथा यातायात नियमों के पालन का आह्वान किया।

उप संभागीय परिवहन अधिकारी राम सिंह यादव ने बताया कि माहभर स्कूलों, कॉलेजों व सामाजिक संगठनों के सहयोग से जागरूकता रैली, गोष्ठी व संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए। समापन अवसर पर योगदान देने वाले एनसीसी कैडेट्स, स्काउट वॉलेंटियर्स व संस्थाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में परिवहन व पुलिस विभाग के अधिकारी, शिक्षा संस्थानों के प्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

'मेरी एक ही पार्टी है कांग्रेस', शशि थरूर बोले- केरल चुनाव में पूरी ताकत से करूंगा प्रचार

तिरुवनंतपुरम। अपनी पार्टी से नाराजगी व मतभेद की खबरों के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक बार फिर साफ-साफ कह दिया कि वे पार्टी छोड़कर कहीं नहीं जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगामी केरल विधानसभा चुनाव में सिर्फ अपनी पार्टी कांग्रेस और यूडीएफ की जीत चाहते हैं और खुद भी इसके लिए प्रचार करेंगे।

जीत के लिए करूंगा प्रचार

तिरुवनंतपुरम में शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए थरूर ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि उनकी एकमात्र इच्छा केरल में होने वाले विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी और ळउइ गठबंधन की जीत देखना है। उन्होंने यह भी कहा कि वह पार्टी और गठबंधन की जीत के लिए प्रचार करेंगे।

मेरी केवल एक ही पार्टी है - कांग्रेस

थरूर ने इस बात पर भी जोर दिया कि उनकी केवल एक ही पार्टी है, और वह है कांग्रेस। यह सवाल बार-बार न पूछा जाए। इससे पहले शुक्रवार को भी उन्होंने साफ किया था कि वह कांग्रेस में ही रहेंगे और कहीं नहीं जा रहे हैं।

गुरुवार को शशि थरूर ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से मुलाकात की थी। इस बैठक का उद्देश्य उनके उन गिले-शिकवों को दूर करना था, जो पिछले कुछ समय से केरल कांग्रेस के भीतर उन्हें दरकिनार किए जाने की खबरों के बाद उपजे थे। कोच्चि में एक कार्यक्रम के दौरान उनके साथ हुए व्यवहार से थरूर आहत थे, लेकिन आलाकमान से बातचीत के बाद उन्होंने कहा कि सब कुछ ठीक है और हम सभी एक साथ हैं।

कांग्रेस के लिए अहम हैं चुनाव

केरल विधानसभा चुनाव कांग्रेस के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। पार्टी 10 साल से विपक्ष में है और इस बार सत्ता में वापसी की पूरी कोशिश कर रही है। ऐसे में थरूर जैसे बड़े नेता का चुनाव प्रचार में सक्रिय रहना पार्टी के लिए काफी अहमियत रखता है।

1 फरवरी के भारतीय तटरक्षक बल मनाएगा अपना 50वां स्थापना दिवस, भारतीय समुद्री सुरक्षा के लिए मजबूत ढाल

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल 1 फरवरी 2026 को अपना 50वां स्थापना दिवस मनाने जा रहा है। इसकी स्थापना 1977 में की गई थी। आज ये ईकाई 155 जहाजों और 80 विमानों वाली एक मजबूत समुद्री शक्ति के रूप में काम कर रही है। स्थापना दिवस के मौके पर एक कार्यक्रम को आयोजन भी किया जाएगा।

1 फरवरी, 1977 को समुद्री चुनौतियों का सामना करने और भारत के बढ़ते समुद्री हितों की रक्षा के लिए इसकी स्थापना हुई थी। अधिकारियों ने बताया तटरक्षक बल को केवल सात सरफेस प्लेटफॉर्म के साथ शुरू किया गया था। आज 155 जहाजों और 80 विमानों के साथ मजबूत बल बन चुका है।

भारतीय तटरक्षक बल ने 2030 तक इस संख्या को बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। जिसमें जहाजों का संख्या 200 और विमनों का संख्या 100 की जानी है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया संस्थाना के बाद से बल ने 11,800 से अधिक लोगों की जान बचाई है। तटरक्षक बल को समुद्री कानून प्रवर्तन, तटीय सुरक्षा, खोज और बचाव, समुद्री पर्यावरण संरक्षण और मानवीय सहायता का काम सौंपा गया है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय नौसेना के साथ समन्वय से लेकर लक्षद्वीप में साहसी बचाव अभियानों और हाल के महीनों में केरल तट से तीन प्रमुख समुद्री घटनाओं को मजबूती से संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

तटरक्षक बल में महिलाओं को भी समान अवसर दिया जाता है। समुद्र, आसमान और जमीन पर आधारित सभी भूमिकाओं में महिलाओं के शामिल होना सुनिश्चित किया जाता है। इससे महिलाओं के प्रति एक सम्मान और साकारात्म माहौल बनता है।

केरल हाईकोर्ट का अहम फैसला: मेडिकल तरीके से गिराया जा सकेगा 31 हफ्ते का भ्रूण, अदालत ने इन आधारों पर दी अनुमति

कोच्चि (केरल)। केरल हाईकोर्ट ने एक दंपती राहत दी है। कोर्ट ने उनके 31 हफ्ते से अधिक समय के भ्रूण का चिकित्सकीय गर्भपात कराने की अनुमति दी। यह भ्रूण दिमाग और सिर से जुड़ी जन्मजात गंभीर विकृतियों से पीड़ित है।

मेडिकल बोर्ड ने अपनी रिपोर्ट में क्या कहा?

जस्टिस शोभा अन्नम्मा ईप्पन ने मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर गर्भपात की इजाजत दी। बोर्ड ने राय दी थी कि अगर बच्चे का जन्म होता है तो वह गंभीर शारीरिक विकृतियों से ग्रस्त होगा। मेडिकल बोर्ड ने यह भी कहा कि गर्भावस्था को आगे बढ़ाना महिला के मानसिक स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा हो सकता है।

कोर्ट ने मामले के तथ्यों, रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री, इस विषय से जुड़े स्थापित कानूनी सिद्धांतों और मेडिकल बोर्ड की सिफारिशों पर विचार किया। इसके बाद कोर्ट ने कहा कि यदि गर्भपात की अनुमति नहीं दी गई, तो इससे केवल नतीजे में देरी होगी और परिवार की तकलीफ और बढ़ेगी।

कोर्ट ने कोट्टायम मेडिकल कॉलेज को दिया निर्देश

कोर्ट ने कोट्टायम मेडिकल कॉलेज को गर्भपात कराने का निर्देश दिया। कोर्ट ने मेडिकल कॉलेज को तुरंत एक मेडिकल टीम गठित करने और प्रक्रिया को अंजाम देने के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा। कोर्ट ने कहा, मेडिकल टीम अपने विवेक और सर्वोत्तम निर्णय के अनुसार चिकित्सा विज्ञान में सुझाई गई सबसे उचित प्रक्रिया अपनाएगी, ताकि गर्भपात किया जा सके और पहली याचिकाकर्ता (महिला) की जान बचाई जा सके।

'गर्भपात से अंतिम स्कैन कर दोबारा की जाए पुष्टि'

हाईकोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि गर्भपात से पहले अंतिम स्कैन कर भ्रूण की विकृतियों की दोबारा पुष्टि की जाए। कोर्ट ने आगे कहा कि अगर भ्रूण जीवित जन्म लेता है, तो अस्पताल उसे जीवित रखने के लिए सभी आवश्यक सहायता देगा, जिसमें इन्क्यूबेशन और किसी भी सुपर-स्पेशलिटी में इलाज शामिल है। कोर्ट ने कहा, बच्चे को सर्वोत्तम चिकित्सा उपचार दिया जाएगा और याचिकाकर्ता पति-पत्नी बच्चे की पूरी जिम्मेदारी लेंगे तथा इलाज का खर्च भी वहन करेंगे।

याचिकाकर्ता ने कोर्ट को क्या बताया था?

याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट को बताया था कि भ्रूण दिमाग और सिर की जन्मजात विकृतियों से पीड़ित है, जिनमें माइक्रोसेफली जैसे लक्षण शामिल हैं, जिससे गंभीर और जीवनभर रहने वाली शारीरिक व न्यूरोलॉजिकल विकलांगता की आशंका बहुत अधिक है।

'बिना सलाह के फैसले लेना सरकार की आदत', कपिल सिब्बल ने यूजीसी नियमों के साथ RTI पर भी कही ये बात

नई दिल्ली। यूजीसी के संसदीय नियमों को लेकर जारी विवाद के बीच राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार का किसी से सलाह-मशविरा न करने का रवैया उसके हर फैसले में दिखाई देता है। सिब्बल ने चेतावनी दी कि समाज के किसी भी वर्ग को नजरअंदाज करना देश के भविष्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

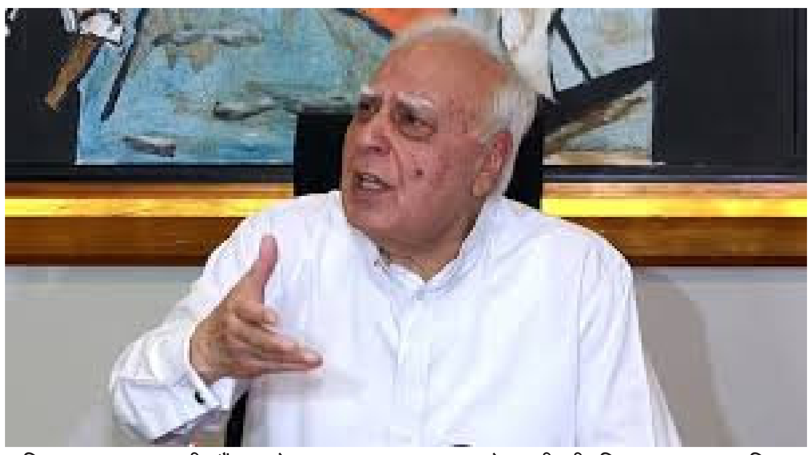

सिब्बल ने एक इंटरव्यू में कहा कि यूजीसी के नए संसदीय नियमों पर मामला उच्चतम न्यायालय में लंबित है, इसलिए इस पर सीधे टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। लेकिन व्यापक दृष्टिकोण से उन्होंने कहा कि भारत तभी विकसित राष्ट्र बन सकता है, जब हर वर्ग को साथ लेकर नीतियां बनाई जाएं। उन्होंने कहा कि समाज में विभाजन पैदा करने वाली कोई भी कोशिश देश के हित में नहीं है।

यूजीसी पर क्या बोले सिब्बल?

सिब्बल ने कहा कि 2014 से जब भारत सरकार में मौजूदा नेतृत्व आया, तब से नीतियां बिना व्यापक चर्चा के बनाई जा रही हैं। उनके अनुसार, सरकार अपने विचार किसी से साझा नहीं करती और यही प्रवृत्ति हर बड़े फैसले में नजर आती है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विविधता वाले देश में सभी समुदायों की चिंताओं को ध्यान में रखना जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

शीर्ष अदालत ने हाल ही में यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन के 2026 के संसदीय रेगुलेशंस पर अंतरिम रोक लगा दी। अदालत ने कहा कि नियम पहली नजर में अस्पष्ट हैं, इनके परिणाम बहुत व्यापक हो सकते हैं और समाज पर खतरनाक असर डाल सकते हैं। कोर्ट ने केंद्र और यूजीसी से 19 मार्च तक जवाब मांगा है। इन याचिकाओं में कहा गया है कि नियमों में जाति आधारित भेदभाव की परिभाषा सीमित कर दी गई है।

आरटीआई पर कही ये बात

कपिल सिब्बल ने आर्थिक सर्वेक्षण में सूचना के अधिकार (आरटीआई) कानून की समीक्षा की बात पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि सूचना का अधिकार अधिनियम लोकतंत्र का एक बुनियादी अधिकार है। आरटीआई के जरिए नागरिकों को सरकार के कामकाज की जानकारी मिलती है। सिब्बल के अनुसार, यह कानून पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करता है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इस अधिकार को सीमित किया गया, तो समाज को बड़ा नुकसान हो सकता है।

क्या हैं यूजीसी के नए नियम?

13 जनवरी को अधिसूचित इन नियमों के तहत सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को भेदभाव की शिकायतों की जांच और समानता बढ़ाने के लिए 'संसदीय कमेटी' बनाना अनिवार्य किया गया है। इन समितियों में ओबीसी, एससी, एसटी, दिव्यांग और महिलाओं के प्रतिनिधियों को शामिल करने का प्रावधान है। ये नियम 2012 के पुराने दिशानिर्देशों की जगह लाए गए हैं, जो केवल सलाहात्मक प्रकृति के थे।

छात्रों का विरोध के बीच सरकार का आश्वासन

कई राज्यों में छात्र संगठनों ने इन नियमों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किए हैं। इस बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भरोसा दिलाया कि किसी के साथ भेदभाव नहीं होगा और नियमों का दुरुपयोग नहीं होने दिया जाएगा। अदालत ने भी माना है कि याचिकाओं में कानून से जुड़े महत्वपूर्ण सवाल उठाए गए हैं।

सीजे रॉय की खुदकुशी मामले की होगी जांच, मंत्री प्रियांक खरगे ने बताया उत्पीड़न

बंगलूरू। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने शनिवार को कॉन्फिडेंट ग्रुप के अध्यक्ष सीजे रॉय की मौत को आयकर विभाग के 'उत्पीड़न' का मामला करार दिया है।। इसी के साथ उन्होंने आईटी और आयकर विभाग की कार्यशैली को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। इस पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं। ऐसे में अब वहां मौजूद आईटी अधिकारियों की जांच की जाएगी।

कंपनी के ऑफिस में खुद को मारी गोली

दरअसल, कॉन्फिडेंट ग्रुप के चेयरमैन सीजे रॉय ने एक दिन पहले शुक्रवार (30 जनवरी) को सेंट्रल बंगलूरू के रिचमंड सर्कल के समीप कंपनी के दफ्तर में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। घटना दोपहर सवा तीन बजे की बताई जा रही है। यह कदम सीजे रॉय ने तब उठाया, जब पिछले तीन दिनों से लगातार आयकर विभाग की टीम तलाशी अभियान चल रही थी।

प्रियांक खरगे ने लगाया परेशान करने का आरोप

अब इस पूरे मामले पर कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियांक खरगे की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि कॉन्फिडेंट ग्रुप के चेयरमैन सीजे रॉय की मौत की घटना आयकर विभाग के 'शुद्ध उत्पीड़न' का मामला है। प्रियांक खरगे ने अपने बयान में कहा, 'यह आयकर और प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों द्वारा किया जा रहा उत्पीड़न है और यह पूरे देश में हो रहा है। कर्नाटक में यह तीसरी या चौथी ऐसी घटना है। आयकर, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और जीएसटी विभागों का इस्तेमाल उन व्यक्तियों और उद्योगपतियों को परेशान करने के लिए किया जा रहा है, जो सरकार के साथ नहीं हैं।'

कंपनी में मौजूद आयकर अधिकारियों की होगी जांच

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसियों को उत्पीड़न के औजार में बदल दिया गया है, जबकि वैध तरीके से अपनी आजीविका कमाने वाले लोगों के साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा है। खरगे ने कहा कि यह केवल एक राजनीतिक आरोप नहीं है और रॉय के परिवार ने भी इसी तरह की चिंताएं जताई हैं। उन्होंने कहा कि मामला चाहे जो भी हो, हम इसकी जांच करेंगे। हम वहां मौजूद आयकर अधिकारियों की भी जांच करेंगे।

तीन दिन पहले दुबई से लौटे थे रॉय

इससे पहले कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि रॉय की कंपनी पर आयकर विभाग ने दिसंबर 2025 में छापा मारा था और उन्हें आरोप पत्र दाखिल करने के लिए 60 दिन का समय दिया गया था। बंगलूरू में मीडिया से बात करते हुए परमेश्वर ने कहा कि आरोप पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 4 फरवरी थी और रॉय तीन दिन पहले दुबई से लौटे थे। उन्होंने आगे कहा कि रॉय ने अपने कार्यालय में बयान दर्ज कराने आए आयकर अधिकारियों के साथ सहयोग किया।

इधर, शनिवार को सीजे रॉय की पत्नी लीना रॉय और बेटे रोहित रॉय बंगलूरू के बोरिंग अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम केंद्र पहुंचे। इस बीच अधिकारियों ने बताया कि क्राइम सीन ऑफिसर (एसओसीओ) और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) सहित फॉरेंसिक टीमें मामले की जांच कर रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि पिछले दो दिनों से रॉय के परिसर में आयकर विभाग के छापे मारे जा रहे थे।

मनोरंजन

सोनू सूद ने देशभर में 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर बैन लगाने की मांग की!

नयी दिल्ली: बॉलीवुड अभिनेता एवं समाजसेवी सोनू सूद ने सरकार से मांग की है कि वह देशभर में 16 वर्ष से कम आयु से बच्चों के सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने पर विचार करे। सोनू सूद ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने पोस्ट में बच्चों के मोबाइल पर अत्यधिक समय बिताने पर चिंता व्यक्त की, यहां तक कि खाना खाते समय भी, और अनियंत्रित स्क्रीन एक्सपोजर के दीर्घकालिक प्रभाव के बारे में चेतावनी दी।

उन्होंने आगे लिखा, 'बच्चे खाना खाते समय स्मार्ट फोन पर स्क्रॉलिंग करते

रहते हैं, जबकि माता-पिता बेखबर रहते हैं, यह हमारा भविष्य नहीं हो सकता।' उन्होंने आगे परिवारों के बीच बढ़ते डिजिटल अलगाव पर चिंता जताई। उन्होंने आंध्र प्रदेश के प्रतिबंध लगाने के कदम का हवाला दिया और सुझाव दिया कि गोवा भी ऐसा ही कर सकता है, साथ ही उन्होंने राष्ट्रव्यापी स्तर पर और अधिक सख्त कार्रवाई की मांग की।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने की अपील भी की। उन्होंने कहा, 'उम्मीद है माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी इसे राष्ट्रीय आंदोलन बनाएंगे।' अभिनेता की इस टिप्पणी ने भारत में बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा, अभिभावकों की जागरूकता और नाबालिगों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर सख्त नियमन की आवश्यकता को लेकर एक नयी बहस छेड़ दी है।

'भाबीजी घर पर हैं!- फन ऑन द रन' का गाना 'मनजोगी' रिलीज

मुंबई: फिल्म 'भाबीजी घर पर हैं!- फन ऑन द रन' का नया गाना 'मनजोगी' रिलीज हो गया है। ज़ी सिनेमा, संजय कोहली और बिनैफर कोहली द्वारा निर्मित, ज़ी स्टूडियोज़ और संजय कोहली द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म में शुभांगी अत्रे, विदिशा श्रीवास्तव, आसिफ़ शेख, रोहिताश्व गौर, रवि किशन, मुकेश

तिवारी और निरहुआ अहम भूमिकाओं में नज़र आएँगे।

'भाबीजी घर पर हैं!- फन ऑन द रन' बड़े पर्दे पर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसी बीच फिल्म का रोमांटिक गाना 'मनजोगी' रिलीज़ किया गया है, जिसे अपनी सुरीली आवाज़ के लिए पहचाने जाने वाले सोनू निगम ने गाया है। 'मनजोगी' के बोल गुलाम मोहम्मद खावर ने लिखे हैं, जबकि इसका संगीत विशाल शेल्के ने दिया है। फिल्म 'भाबीजी घर पर हैं!- फन ऑन द रन', का निर्देशन शशांक बाली ने किया है। ज़ी स्टूडियोज़ इस फिल्म को 06 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ करने जा रहा है।

आमिर खान मेरे बेडरूम में...'; मिस्टर परफेक्शनिस्ट के बारे में एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी ने क्या कहा?

मुंबई। बॉलीवुड की अब तक की जानी-मानी एक्ट्रेस में से एक ममता कुलकर्णी हैं। 1990 के दशक की हिंदी फिल्मों के सबसे मशहूर चेहरों में से एक ममता कुलकर्णी ने फिल्म इंडस्ट्री से अपने कुछ अनुभव और यादें शेयर की हैं। उन्होंने प्यार, पर्सनल रिश्तों और बिना किसी बंटवारे के समय को याद किया। ममता कुलकर्णी ने कई साल पहले बॉलीवुड छोड़ दिया था। 2025 में, वह भारत लौटीं और किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनीं। हाल ही में एक इंटरव्यू में, ममता कुलकर्णी ने उस दौरान फिल्मों के सेट पर अपने अनुभव और यादें शेयर की हैं।

'आमिर खान मेरे बेडरूम में कपड़े बदलते थे...'

'बाजी' की शूटिंग को याद करते हुए, ममता कुलकर्णी ने कुछ यादें शेयर कीं, जहाँ प्रोफेशनल और पर्सनल स्पेस अक्सर आपस में जुड़े हुए थे। ममता कुलकर्णी ने आमिर खान के साथ अपने रिश्ते के बारे में भी बात की। ममता कुलकर्णी ने कहा कि उन दिनों शूटिंग के लिए आज जैसा बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं था। वैनिटी वैन कम थीं और एक्टर अक्सर बेसिक सुविधाओं के लिए एक-दूसरे पर निर्भर रहते थे। आगे उन्होंने कहा, 'बाजी की शूटिंग के दौरान, आमिर खान अक्सर सीधे लोखंडवाला में उनके घर आते थे और उनके बेडरूम में कपड़े बदलते थे। इतना ही नहीं, पैकिंग करने के बाद, वह घर वापस आते थे और किचन में चाय बनाते थे...'

एक एजेंसी को दिए इंटरव्यू में ममता कुलकर्णी ने कहा, 'देखिए, मैं बहुत खुश हूं कि मैं 1990 के दशक में काम कर पाई। मैंने आमिर खान के साथ काम किया है, मैंने शाहरुख खान के साथ काम किया है... हमने कभी एक-दूसरे का धर्म नहीं देखा। सच कहूं तो, अब मैं क्या कह सकती हूं?' उन्होंने आगे कहा, 'फिल्म के सेट पर आज जैसी सुविधाएं नहीं थीं और एक्टर अक्सर एक-दूसरे के घर पर तैयार होते थे और फिर शूट के लिए निकल जाते थे...' ममता ने बताया कि इंडिया के बाहर, खासकर आमिर खान और शाहरुख खान के साथ वर्ल्ड टूर के दौरान, आप इंडस्ट्री में महसूस होने वाली गर्मजोशी और आपसी सम्मान महसूस कर सकते थे। एक्ट्रेस ने कहा, 'जब हम आमिर खान और शाहरुख खान के साथ शूटिंग के लिए विदेश जाते थे, तो हम एक-दूसरे के घर पर रुकते थे, कोई चाय बनाता था, तो कोई खाना बनाता था...'

सेमीफाइनल का टिकट पक्का करने उतरेगी भारतीय अंडर-19 टीम, पाकिस्तान से हिसाब होगा चुकता?

बुलावायो। पांच बार की चैंपियन भारतीय अंडर-19 टीम का सामना सुपर सिक्स के मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से रविवार को होगा। पाकिस्तान ने विश्व कप से पहले एशिया कप के फाइनल में भारतीय टीम को हराया था और अब आयुष म्हात्रे की अगुआई वाली टीम के पास पाकिस्तान से हिसाब चुकता करने का मौका रहेगा। भारतीय टीम अब तक टूर्नामेंट में अजेय चल रही है और पाकिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करते हुए वह सेमीफाइनल में जगह बना लेगी।

क्या बरकरार रहेगी नो हैंडशेक नीति

पाकिस्तान ने दिसंबर में अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान को 191 रनों से हराया था। अब भारतीय टीम इसी हार का बदला चुकता करने उतरेगी। माना जा रहा है कि पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम नो हैंडशेक की नीति बरकरार रखेगी। भारतीय टीम के खिलाफ मैच के दौरान या मैच के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिला रहे हैं। ऐसा ही अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में भी देखने मिला था।

किस तरह पाकिस्तान को बाहर कर सकता है भारत?

सेमीफाइनल के लिए तीन टीमों ने क्वालिफाई कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और इंग्लैंड अंतिम चार में पहुंच चुके हैं और अब सिर्फ एक स्थान शेष है। भारत ने अपने सभी मैच जीते हैं और वह छह अंक लेकर इंग्लैंड के बाद दूसरे स्थान पर मौजूद

है। भारत का नेट रन रेट भी ₹3.337 का है। भारत अगर रविवार को पाकिस्तान को हरा देता है तो वह सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा और पाकिस्तान का सफर सुपर सिक्स चरण में ही थम जाएगा। इतना ही नहीं, अगर किसी तरह पाकिस्तान ने भारत को हरा भी दिया तो दोनों टीमों के एक समान छह अंक होंगे। भारत का नेट रन रेट पाकिस्तान से बेहतर है और इसमें बड़ा बदलाव नहीं हुआ तो भी टीम सेमीफाइनल में पहुंच सकती है।

शानदार लय में है भारत

भारतीय टीम अब तक अंडर-19 विश्व कप में शानदार लय में है। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत अमेरिका को छह विकेट से हराकर की थी। इसके बाद बांग्लादेश और न्यूजीलैंड को ग्रुप चरण में हराया था। सुपर सिक्स चरण के पहले मैच में भारत ने जिम्बाब्वे को 204 रनों से हराया था। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला आसान नहीं रहेगा क्योंकि हाल ही में म्हात्रे की अगुआई वाली टीम को पाकिस्तान से हार मिली थी।

भारत का मजबूत पक्ष

विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने चार मैच में 183 रन बनाए हैं और उनका सर्वोच्च स्कोर 80 रन है।

टीम के स्टार सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी लय में हैं और उन्होंने चार मैचों में 166 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से अब तक दो अर्धशतक निकल चुके हैं। विहान मल्होत्रा के रूप में भारत के पास मध्यक्रम में एक अच्छा बल्लेबाज है। उन्होंने चार मैचों में 151 रन बनाए हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ विहान ने नाबाद 109 रनों की पारी खेली थी। गेंदबाजी में तेज गेंदबाज हेनिल पटेल चार मैचों में 10 विकेट ले चुके हैं, जबकि उद्धाव मोहन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन विकेट झटके हैं। कप्तान म्हात्रे ने भी जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन विकेट लिए थे। वहीं, आरएस अंबरीश भी विपक्षी टीम को शुरुआती झटके देने में सक्षम हैं।

पाकिस्तान ने की है वापसी

पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ अपना शुरुआती मैच गंवाया था, लेकिन इसके बाद उसने स्कॉटलैंड और जिम्बाब्वे के खिलाफ अगले दो मुकाबले जीते थे। सुपर सिक्स चरण में पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हराया था और वह भारत के खिलाफ बढ़े मनोबल के साथ उतरेगी। ओपनर समीर मिनहास ने टूर्नामेंट में प्रभावित किया है और वह दो अर्धशतक लगा चुके हैं। मिनहास ने एशिया कप फाइनल में भारत के खिलाफ 172 रन बनाए थे। गेंदबाजी विभाग में अली रजा पाकिस्तान की अगुआई कर रहे हैं जिन्होंने चार मैचों में 12 विकेट लिए हैं। भारतीय बल्लेबाजों को उनके खिलाफ संभलकर खेलना होगा। वहीं, अब्दुल शुभान भी चार मैचों में 10 विकेट ले चुके हैं।

इस मैच के लिए दोनों टीमें इस प्रकार है...

भारतः आरोन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, हरवंश पंगालिया, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान पटेल, दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल, मोहम्मद इनान, उद्धाव मोहन, किशन सिंह।

पाकिस्तानः फरहान युसूफ (कप्तान), उस्मान खान, अली हसन बलोच, हम्जा जहूर, हुजैफा एहसान, मोहम्मद शायन, समीर मिनहास, अहमद हुसैन, अब्दुल शुभान, अली रजा, डेनियल अली खान, मोहम्मद सयाम, मोमिन कमार, निकाब शफीक, उमर जैब।

एलिना रयबाकिना बनीं ऑस्ट्रेलियन ओपन की विजेता, फाइनल में विश्व की नंबर एक सबालेंका को हराया

मेलबर्न। एलिना रयबाकिना ने महिला एकल वर्ग के फाइनल में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका को हराकर वर्ष का पहला ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब अपने नाम किया। रयबाकिना ने फाइनल में सबालेंका को दो घंटे 18 मिनट तक चले मैच में 6-4, 4-6, 6-4 से हराया। 26 साल की रयबाकिना ने शानदार वापसी करते हुए पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब अपने नाम किया। यह उनके करियर का दूसरा ग्रैंडस्लैम है। इससे पहले, उन्होंने 2022 में यूएस ओपन का खिताब जीता था।

लगातार दूसरी बार चूकीं सबालेंका

सबालेंका को लगातार दूसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में हार मिली है। इससे पहले उन्हें मैडिसन कीज ने हराया था। सबालेंका ने अपने करियर में अब तक चार ग्रैंडस्लैम जीते हैं। वह 2023 और 2024 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत चुकी हैं, लेकिन दो बार से वह यहां करीब आकर खिताब अपने नाम करने से चूक रही हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन के अलावा उन्होंने 2024 और 2025 में यूएस ओपन भी जीता था।

किस तरह जीत दर्ज करने में सफल रहीं रयबाकिना

कजाखस्तान की रयबाकिना ने फाइनल मुकाबले में शुरुआत से ही दबाव बनाया और पहला सेट 6-4 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में रयबाकिना को सबालेंका से कड़ी टक्कर मिली और एक समय स्कोर 3-3 की बराबरी पर था। सबालेंका ने अच्छी वापसी की और दूसरा सेट 6-4 से जीता। तीसरे सेट में सबालेंका ने 3-0 की बढ़त बनाई, लेकिन चौथे गेम को जीतकर रयबाकिना ने वापसी की। उन्होंने लगातार तीन गेम जीतकर स्कोर 3-3 कर दिया। सबालेंका भी हार मानने के लिए तैयार नहीं थीं और उन्होंने स्कोर 4-5 कर दिया। रयबाकिना ने फिर एस लगाकर बढ़त ली और तीसरा सेट 6-4 से जीतकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया। मैच की बात करें तो रयबाकिना ने छह एस लगाए, जबकि सबालेंका ने पांच एस लगाए। रयबाकिना ने तीन और सबालेंका ने दो डबल फॉल्ट किए। रयबाकिना की तुलना में सबालेंका ने अधिक विनर्स लगाए, लेकिन सबालेंका ने कजाखस्तान की खिलाड़ी की तुलना में एक बेजां भूलें ज्यादा की।

ऑस्ट्रेलिया को विश्व कप से पहले लगा बड़ा झटका, कमिंस बाहर हुए; कंगारू टीम ने किए दो बदलाव

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप शुरू होने से पहले ही बड़ा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज पैट कमिंस चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 15 सदस्यीय टीम में दो बदलाव किए हैं। कमिंस के अलावा शीर्ष क्रम के बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट भी टीम से बाहर हो गए हैं। इन दोनों की जगह टीम में तेज गेंदबाज बेन ड्वारशुइस और बल्लेबाज मैथ्यू रेनशॉ को जगह दी गई है।

चोट से नहीं उबर सके कमिंस

कमिंस लंबे समय से चोट से जूझ रहे हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ एशेज टेस्ट सीरीज के ज्यादातर मैचों में हिस्सा नहीं लिया था। माना जा रहा था कि वह टी20 विश्व कप से मैदान पर वापसी करेंगे, लेकिन टूर्नामेंट को शुरू होने में अब सात दिन का समय शेष है, ऐसे में कमिंस समय से पूरी तरह ठीक नहीं हो सके। अंततः क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को उन्हें बाहर करने का फैसला लेना पड़ा। कमिंस ऑस्ट्रेलिया के अहम सदस्य हैं और उनका नहीं होना कंगारू टीम के लिए बड़ा झटका है।

हेजलवुड ने पास किया फिटनेस टेस्ट

जोश हेजलवुड, टिम डेविड और नाथन एलिस की तिकड़ी ने टी20 विश्व कप के लिए फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। एशेज से पहले हैमस्ट्रिंग चोट लगने के बाद से हेजलवुड नहीं खेले हैं। वहीं, डेविड चोट के कारण बिग बैश लीग और पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में हिस्सा नहीं ले सके। एलिस भी इस वजह से बिग बैश लीग के फाइनल और पाकिस्तान दौरे से बाहर रहे।

ग्रुप बी में शामिल है ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया विश्व कप से पहले पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में हिस्सा ले रही है। टी20 विश्व कप की शुरुआत सात फरवरी से हो रही है और इसके मुकाबले भारत और श्रीलंका में खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया की टीम ग्रुप बी में शामिल है जिसमें ओमान, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और श्रीलंका भी मौजूद हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत 11 फरवरी को आयरलैंड के खिलाफ कोलंबो में होने वाले मैच से करेगी।

टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीमः

मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, टिम डेविड, बेन ड्वारशुइस, कैमरन ग्रीन, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहेनमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू रेनशॉ, मार्कस स्टोइनिस, एडम जांपा।

भारत के पांच शहर करेंगे विश्व कप के मैचों की मेजबानी, जानें क्या है इन स्टेडियमों की विशेषता

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 का काउंटडाउन अब शुरू हो चुका है। सात फरवरी से भारत और श्रीलंका की मेजबानी में इस टूर्नामेंट का आयोजन होगा। सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम विश्व कप में खिताब का बचाव करने उतरेगी। भारत ने रोहित शर्मा के नेतृत्व में 2024 में टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था। भारत अगर ऐसा करने में सफल रहा तो वह पहला देश होगा जो तीसरी बार इस टूर्नामेंट की ट्रॉफी अपने नाम करेगा।

20 टीमें ले रहीं हिस्सा

पिछले बार की तरह इस बार भी टी20 विश्व कप में 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इन सभी टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है जिसमें प्रत्येक ग्रुप में पांच टीमें शामिल हैं। ग्रुप चरण के बाद सुपर आठ चरण होगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें इस चरण के लिए क्वालिफाई करेंगी। सुपर आठ चरण में आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा जिसमें प्रत्येक ग्रुप में चार टीमें होंगी। इनमें से दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जाएंगी जिसके बाद दो टीमें फाइनल मुकाबला खेलेंगी। इस बार जो टीमें इस वैश्विक टूर्नामेंट में खेलेंगी उनमें भारत, नामीबिया, नीदरलैंड्स, पाकिस्तान, अमेरिका, स्कॉटलैंड (बांग्लादेश की जगह), इटली, इंग्लैंड, नेपाल, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, ओमान, श्रीलंका, जिम्बाब्वे, अफगानिस्तान, कनाडा, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं।

आठ स्थलों पर होंगे विश्व कप के मैच

टी20 विश्व कप 2026 के मुकाबले भारत और श्रीलंका के आठ स्थलों पर आयोजित होंगे। भारत में कुल पांच स्थानों पर मैच खेलें जाएंगे, जबकि श्रीलंका के तीन स्थलों पर इस वैश्विक टूर्नामेंट के मैच आयोजित होंगे। भारत में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और अहमदाबाद इस टूर्नामेंट के मैचों की मेजबानी करेंगे। वहीं, कोलंबो का आर प्रेमादासा और एस स्पोर्ट्स क्लब में मैच होंगे, जबकि कैंडी का पल्लेकेले इंटरनेशनल स्टेडियम भी मैच की मेजबानी करेगा। आइए जानते हैं भारत में होने वाले स्टेडियमों के बारे में...

दिल्ली का अरुण जेटली स्टेडियम

अरुण जेटली स्टेडियम जिसे पहले फिरोज शाह कोटला स्टेडियम के नाम से जाना जाता था। ये नई दिल्ली के मध्य में स्थित है। 1883 में निर्मित इस स्टेडियम में पहला टेस्ट मैच 1948-49

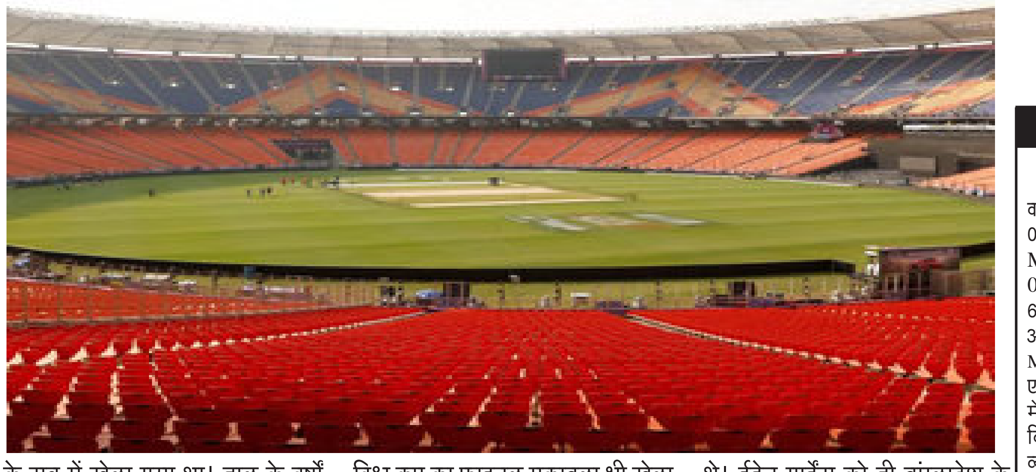

के सत्र में खेला गया था। हाल के वर्षों में राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के दौरान स्टेडियम में भारी भीड़ देखी गई है। दिल्ली टी20 विश्व कप 2026 के छह मैचों की मेजबानी करने के लिए तैयार है।

सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम में से एक है नरेंद्र मोदी स्टेडियम

अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम विश्व के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम में से एक है। इस स्टेडियम में एक लाख से अधिक लोग बैठ सकते हैं। नरेंद्र मोदी स्टेडियम कई ऐतिहासिक पलों का गवाह रहा है, जिनमें आईपीएल फाइनल, अंतरराष्ट्रीय सीरीज और वनडे विश्व कप फाइनल शामिल हैं। अहमदाबाद के इस स्टेडियम में टी20 विश्व कप का फाइनल मुकाबला भी खेला जा सकता है। हालांकि, अगर पाकिस्तान की टीम खिताबी मैच में पहुंची तो यह मुकाबला कोलंबो में खेला जाएगा।

ऐतिहासिक है कोलकाता का ईडन गार्डेंस

1864 में निर्मित प्रतिष्ठित ईडन गार्डन्स भारत का सबसे पुराना क्रिकेट स्टेडियम है। कोलकाता के मध्य में स्थित इस मैदान ने कई यादगार मैचों की मेजबानी की है। इसे क्रिकेट का मक्का भी कहा जाता है। इसी मैदान पर रोहित शर्मा ने 2014 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे में 264 रन बनाए थे। ईडन गार्डेंस को ही बांग्लादेश के अधिकतर मैचों की मेजबानी करनी थी, लेकिन बाद में बांग्लादेश के टूर्नामेंट से हटने के कारण उनकी जगह स्कॉटलैंड ने ली।

वानखेड़े पर भारत की रही हैं सुनहरी यादें

मुंबई का वानखेड़े स्टेडियम भी विश्व कप के मैचों की मेजबानी करेगा। भारतीय टीम के लिए यह मैदान यादगार है क्योंकि इसी स्टेडियम पर 2011 में भारत ने श्रीलंका को हराकर वनडे विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था। इस स्टेडियम का निर्माण 1974 में हुआ था। भारी मात्रा में क्रिकेट के प्रशंसक इस स्टेडियम पर मैच देखने पहुंचते हैं और अब यह स्टेडियम एक और ऐतिहासिक पल का गवाह बनने के लिए तैयार है।

पश्चिम रेलवे

रंगाई एवं मरम्मत कार्य

मंडलीय रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, छठी मंज़िल, अभियंत्रण विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008 द्वारा ई-निविदा सूचना क्रमांक : BCT/25-26/307, दिनांक 29/01/2026 आमंत्रित की जाती है। **कार्य एवं स्थान : (1) लोअर परेल :-** सेवा भवनों एवं अगस्त क्रांति कॉलोनी की आवधिक रंगाई एवं लघु मरम्मत कार्य। **(2)** सेवा भवनों एवं अगस्त क्रांति की आवधिक रंगाई एवं लघु मरम्मत कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत :** 2,25,15,614.66/- **जमानत राशि (ईएमडी) :** 2,62,600/- **प्रस्तुति की तिथि एवं समय :** 24.02.2026 को 15:00 बजेतक। **खोलने की तिथि एवं समय :** 24.02.2026 को, 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 1070

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

विद्युत आपूर्ति हेतु एकल कनेक्शन

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (कोचिंग), मुंबई सेंट्रल-08 द्वारा निविदा सूचना क्रमांक : WR-MMCT0ECOA (ECTD)/57/2025 0/0 SRDEE/CHG/MMCT/W (कंप्यूटर क्रमांक 685227) आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम :** आरडीएसओ संशोधन पत्रक क्रमांक RDSO/PE/MS/AC/097-2025 (संशोधन-0) के अनुसार एलएचबी वातानुकूलित कोचों के स्विचबोर्ड कैबिनेट में एसी यूनिट के एमपीसीबी हेतु विद्युत आपूर्ति वितरण के लिए एकल कनेक्शन व्यवस्था की व्यवस्था करना। **कार्य की अनुमानित लागत :** 9,93,796/- **बोली सुरक्षा (ईएमडी) :** 19,900/- **प्रस्तुति की तिथि एवं समय :** 26.02.2026 को 15:00 बजे तक। **खोलने की तिथि एवं समय :** 26.02.2026 को, 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 1068

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस ⇌ भुज के बीच विशेष ट्रेन की यात्राओं का विस्तार

ट्रेन संख्या	प्रारंभिक स्टेशन एवं गंतव्य	चलने के दिन	तक विस्तार
09037	बांद्रा टर्मिनस - भुज	द्वि-साप्ताहिक गुरुवार एवं शनिवार	26.02.2026
09038	भुज - बांद्रा टर्मिनस	द्वि-साप्ताहिक शुक्रवार एवं रविवार	27.02.2026

यात्रियों से अनुरोध है कि समय-सारणी, ठहराव (स्टॉपेज) तथा ट्रेन की संरचना संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ।

ट्रेन संख्या 09037 एवं 09038 की विस्तारित यात्राओं के लिए आरक्षण 01.02.2026 से सभी पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर उपलब्ध होगा। उपरोक्त ट्रेनें विशेष किराये पर विशेष ट्रेन के रूप में चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us & Follow us on:
facebook.com/WesternRly
X.com/WesternRly
Instagram.com/WesternRly
https://www.youtube.com/@WesternRly
https://bit.ly/WesternRailwayOfficial

सभी आरक्षित टिकटों के लिए कृपया मूल पहचान पत्र साथ रखें।

भारतीय तट रक्षक बल के लिए तीसरे जहाज की कील लेइंग समारोह तथा फास्ट पॅट्रोल वेसल (14 एफ़पीवी) की छठे जहाज का प्लेट कटिंग समारोह

नई दिल्ली। नवरत्न डीपीएसयू माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल), ने भारतीय तटरक्षक बल के लिए 14 एफ़पीवी (यार्ड-16503) में से तीसरे जहाज का उत्पादन 25 मार्च 2025 को प्रारंभ किया। एफ़पीवी (यार्ड-16503) के तीसरे जहाज का कील लेइंग समारोह और एफ़पीवी (यार्ड-16506) के छठे जहाज का प्लेट कटिंग समारोह 29 जनवरी 2026 को आयोजित किया गया।

डीआईजी विनोद सखाकर, सीएसओ (टेक) सीजीआरएचक्यू (पश्चिम) ने कील लेइंग समारोह की अध्यक्षयता की और डीआईजी शशि भूषण, सीएसओ (रिफिट) सीजीआरएचक्यू (पश्चिम) ने प्लेट कटिंग समारोह की अध्यक्षयता श्री ए. विनोद, कार्यकारी निदेशक (जहाज निर्माण- एमडीएल) के साथ-साथ आईसीजी, क्लासिफिकेशन सोसाइटी (एबीएस एंड आईआरएस) और एमडीएल के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थित में की।

एमडीएल ने आईसीजी के साथ चौदह (14) फास्ट पेट्रोल वेसल के डिज़ाइन, निर्माण और वितरण के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना का मूल्य 1070.47 करोड़ रुपये है। प्रत्येक वेसल में वाटरजेट प्रोपल्शन ड्राइव होगी, जिसे 33 समुद्री मील से अधिक संविदात्मक गति को पूरा करने के लिए बनाया गया है तथा इसे ड्यूल क्लास (एबीएस एंड आईआरएस) के तहत वर्गीकृत किया जाएगा।

इन पोतों को उच्च गति वाले जलयानों के रूप में डिज़ाइन किया जाएगा, जो वाटरजेट प्रोपल्शन और उच्च गति वाले डीजल इंजन से सुसज्जित होंगे। इनका उपयोग तटीय जलक्षेत्रों में गश्त और मत्स्य पालन की सुरक्षा के लिए किया जाएगा। ये पोत उथले, अज्ञात जलक्षेत्रों में खोज और बचाव अभियान चलाने के लिए एक छोटी उच्च गति नाव ले जाने में सक्षम होंगी। इसके अलावा, इन पोतों में युद्धकालीन भूमिकाओं में भी कार्य करने की अंतर्निहित क्षमता होगी, जैसे संचार संपर्क प्रदान करना, तटीय काफिलों को सुरक्षा प्रदान करना, लॉजिस्टक सहायता, चिकित्सा निकासी और भारतीय नौसेना संसाधनों की पूर्ति करना।

आज का कील लेइंग और प्लेट कटिंग समारोह एमडीएल द्वारा जहाजों के निर्माण में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का प्रतीक है।

उत्तरी सिक्किम में देवदूत बनी भारतीय सेना, बर्फीले तूफान में फंसे 29 पर्यटकों का सफल रेस्क्यू

गंगटोक। उत्तरी सिक्किम के शांत, बर्फ से ढके परिदृश्य पिछले सप्ताह उस समय खतरनाक हो गए जब 29 पर्यटकों का एक समूह भीषण मौसम की मार झेलते हुए फंस गया। शिवमंदिर और ज़ीरो पॉइंट के बीच ऊँचाई वाले इलाके में शुरू हुई यह मनमोहक यात्रा प्रकृति के प्रकोप के कारण तेज़ी से जानलेवा संकट में बदल गई। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, 27-28 जनवरी की दरमियानी रात को क्षेत्र में भीषण मौसम का कहर टूटा। तेज़ हवाओं और लगातार बर्फबारी ने संकरी पहाड़ी सड़कों को अपनी चपेट में ले लिया,

जिससे आम नागरिकों के वाहन ठप हो गए। कई वाहन भारी बर्फ में दब गए, जबकि अन्य शून्य से नीचे के तापमान के कारण यांत्रिक खराबी का शिकार हो गए।

फंसे हुए समूह में छोटे बच्चे और वरिष्ठ नागरिक भी शामिल थे, जिससे स्थिति और भी गंभीर हो गई। तापमान शून्य से नीचे गिरने के साथ ही, पतली पहाड़ी हवा के कारण ऑक्सीजन का स्तर खतरनाक रूप से कम हो गया, जिससे कई पर्यटकों को तीव्र पर्वतीय बीमारी और सांस लेने में तकलीफ होने लगी। बढ़ते खतरे को भांपते हुए, भारतीय सेना ने खतरनाक बर्फीले माहौल के बावजूद त्वरित मानवीय बचाव अभियान शुरू किया। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि सेना के जवानों ने रात भर बर्फ से ढके रास्तों पर यात्रा करते हुए घाटी में बिखरे हुए फंसे हुए पर्यटकों का पता लगाया। भीषण ठंड के बावजूद, बचाव दल ने जमे हुए वाहनों से पर्यटकों को सुरक्षित निकाला और उन्हें शिवमंदिर सेना शिविर तक पहुंचाया। कई लोगों के लिए यह सहायता एक नाजुक समय पर आई, क्योंकि कठोर वातावरण में लंबे समय तक रहने से उनके स्वास्थ्य को गंभीर खतरा था।

शिविर पहुंचने पर, सेना ने व्यापक राहत उपाय शुरू किए। चिकित्सा दल ने ऊंचाई संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों की तुरंत देखभाल की, उन्हें ऑक्सीजन दी और लगातार उनकी निगरानी की कड़ाके की ठंड में, सैनिकों ने अत्यधिक ठंड से बचाव के लिए कपड़े, स्लीपिंग बैग, हीटर उपलब्ध कराए और गर्म भोजन, पेय पदार्थ और गर्म पानी की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की। शिविर एक सुरक्षित आश्रय स्थल में बदल गया, जहाँ सबसे छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को गर्माहट और सुकून मिला। पूरी रात निरंतर चिकित्सा और रसद संबंधी देखभाल में बिताने के बाद, पर्यटकों को अगली सुबह गर्म नाश्ता परोसा गया। मौसम की स्थिति और सड़क संपर्क में सुधार होते ही, भारतीय सेना ने विशेष वाहनों की व्यवस्था करके पूरे समूह को सुरक्षित रूप से लाचुंग स्थित उनके होटलों तक पहुँचाया।

जैसे ही ईरान ने ट्रंप को घेरा, 22 अरब देशों के विदेश मंत्री दौड़ पड़े

तेहरान। 10 साल बाद भारत में कुछ ऐसा होने जा रहा है जिसने पाकिस्तान और बांग्लादेश के होश उड़ा दिए हैं। बॉर्डर हो या मुस्लिम देशों को बरगलाने की बात भारत हमेशा पाकिस्तान को मात देकर ही मानता है और एक बार फिर पूरी दुनिया ने भारत की ताकत देखी है। जब एक नहीं, दो नहीं बल्कि पूरे 22 इस्लामिक देश एक साथ दिल्ली में अचानक आ रहे हैं। जिसने पूरी दुनिया में इस वक्त हलचल मचा दी है। दरअसल दुनिया भर के इस्लामिक देशों के नेताओं का जमावड़ा भारत की राजधानी दिल्ली में लगने जा रहा है। दुनिया भर के नेता शनिवार को यानी कि 31 जनवरी को एक साथ आएंगे। इस तरह की बैठक का आयोजन करीब 10 साल के बाद होने जा रहा है। इसकी अध्यक्षता भारत और यूएई करने वाले हैं। इस बैठक का उद्देश्य भारत और अरब देशों के बीच सहयोग को और भी ज्यादा मजबूत करना और साझेदारी को नई दिशा देना है। इस बैठक में 22 अरब देशों के विदेश मंत्री हिस्सा लेंगे।

इस्लामिक नाटो की चर्चा के बीच में

भारत का यह बड़ा कदम बहुत महत्वपूर्ण है। आपको बता दें कि यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की के बीच एक संभावित इस्लामिक नाटो या फिर कहें कि डिफेंस पैक्ट को लेकर चर्चाएं तेज है। सितंबर 2025 में सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच एक स्ट्रेटेजिक म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट साइन हुआ था। जिसमें एक देश पर हमला होने की स्थिति में उसे सभी पर हमला माना जाएगा। अब तुर्की भी इस गठजोड़ में शामिल होने की कोशिश कर रहा है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में इसे मुस्लिम नाटो तक कहा गया जिसमें सऊदी का पैसा, पाकिस्तान की न्यूक्लियर ताकत और तुर्की की सेना का जिक्र किया गया। हालांकि जमीनी हकीकत देखें तो यह फिलहाल ज्यादा प्लानिंग और मीडिया हाइप ही नजर आ रहा है।

भारत ने इसी को देखते हुए एक बड़ा खेल किया है और जिसने पाकिस्तान का पूरा गेम पलट कर रख दिया है। बता दें कि दिल्ली की जो कूटनीति है वो इस समय केंद्र में बनी हुई है और इसी पर सभी की पूरी दुनिया की नजरें बनी हुई है।

भगोड़े हथियार डीलरसंजय भंडारी पर ईडी का शिकंजा, संपत्ति जब्ती पर कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली। राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की संजय भंडारी की संपत्तियों को जब्त करने की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। हथियार डीलर संजय भंडारी को भगोड़ा घोषित किया जा चुका है। विशेष न्यायाधीश संजय जिंदल ने ईडी और दूसरे पक्ष के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। कोर्ट 16 फरवरी को फैसला सुनाएगी। ईडी ने दलील दी कि हथियार डीलर संजय भंडारी से सीधे तौर पर जुड़ी संपत्तियों को जब्त किया जाना चाहिए। भंडारी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किए जाने के बाद ईडी ने एक आवेदन दायर किया था। हालांकि, इसी आदेश को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई है। ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) नवीन कुमार मट्टा और मोहम्मद फैजान पेश हुए। ईडी के विशेष वकील जोहेब हुसैन ने बताया कि आज तक संजय भंडारी से संबंधित संपत्तियों के संबंध में किसी ने कोई आपत्ति नहीं उठाई है, इसलिए ये संपत्तियां जब्त किए जाने योग्य हैं। ईडी ने अदालत को सूचित किया कि

अदालत के आदेशानुसार भारत के बाहर स्थित संपत्तियों की ज़ब्ती के लिए भी पत्र भेजे जाने हैं। जांच एजेंसी ने अदालत को बताया कि ज़ब्ती की प्रक्रिया इसलिए की जाती है ताकि लोग किसी मामले में अभियोजन से बचने के लिए देश छोड़कर न भागें। 12 जुलाई को अदालत ने भंडारी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने वाले आदेश के खिलाफ वैधानिक कानूनी उपायों का उपयोग करने के लिए समय दिया। भंडारी को 5 जुलाई, 2025 को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया था। अगला कदम उनकी संपत्तियों की ज़ब्ती है। ज़ोहेब हुसैन ने अदालत के समक्ष उल्लेख किया था कि उनके पास एक सूची है जिसमें भारत, दुबई, ब्रिटेन में स्थित संपत्तियों के साथ-साथ नोएडा और गुरुग्राम में बेनामी संपत्ति, उनके और उनकी पत्नी के नाम पर कई बैंक खाते, आभूषण और नकदी, वसंत विहार, पंचशील शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और शाहपुर जाट में अचल संपत्ति शामिल है। 5 जुलाई, 2025 को, दिल्ली की एक विशेष अदालत ने ब्रिटेन स्थित हथियार डीलर संजय भंडारी को अघोषित विदेशी संपत्तियों से जुड़े आयकर मामले के संबंध में भगोड़ा आर्थिक अपराधी (एफईओ) अधिनियम के तहत भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया। यह आदेश अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश संजीव अग्रवाल ने ईडी की याचिका के बाद पारित किया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि भंडारी ने जानबूझकर भारतीय कानूनी कार्यवाही से बचने की कोशिश की और उनके पास 100 करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी संपत्ति है। एजेंसी ने इस बात पर जोर दिया कि भंडारी के प्रत्यर्पण से इनकार करने के ब्रिटेन की अदालत के फैसले का मौजूदा कार्यवाही पर कोई असर नहीं पड़ेगा, जो स्वतंत्र है और भारतीय कानून द्वारा शासित है।

भारत-अरब संबंधों को मिलेगी नई दिशा, विदेश मंत्रियों की मीटिंग के लिए दिल्ली पहुंचे ओमान के एफएम

नई दिल्ली। ओमान के विदेश मंत्री बदर अल-बुसैदी दूसरे भारत-अरब विदेश मंत्रियों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए दिल्ली पहुंचे। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि अल-बुसैदी की यात्रा दोनों देशों के बीच साझेदारी को मजबूत करेगी। एक्स पर पोस्ट में कहा कि भारत-अरब विदेश मंत्रियों की दूसरी बैठक के लिए दिल्ली में ओमान सल्तनत के विदेश मंत्री महामहिम बदर अलबुसैदी का हार्दिक स्वागत है। उनकी यात्रा से भारत और ओमान के बीच बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी।

भारत दूसरे भारत-अरब विदेश मंत्रियों के सम्मेलन (आईएएफएमएम) की मेजबानी कर रहा है। इस सम्मेलन की सह-अध्यक्षता भारत और संयुक्त अरब अमीरात कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, अरब लीग के अन्य सदस्य देशों के विदेश मंत्री और अरब लीग के महासचिव भी दूसरे भारत-अरब विदेश मंत्रियों के सम्मेलन में भाग ले रहे हैं।

विदेश मंत्रियों का यह सम्मेलन 10 वर्षों

के अंतराल के बाद हो रहा है। पहला सम्मेलन 2016 में बहरीन में आयोजित किया गया था। पहले एफएमएम में, मंत्रियों ने सहयोग के पांच प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की थीः अर्थव्यवस्था, ऊर्जा, शिक्षा, मीडिया और संस्कृति, और इन क्षेत्रों में गतिविधियों का एक समूह प्रस्तावित किया था। उम्मीद है कि दूसरा भारत-अरब एफएमएम हमारे मौजूदा सहयोग को आगे बढ़ाएगा और इस साझेदारी को विस्तारित और गहरा करेगा। भारत-अरब विदेश मंत्रियों की बैठक इस साझेदारी को आगे बढ़ाने वाला सर्वोच्च संस्थागत तंत्र है, जिसे मार्च 2002 में औपचारिक रूप दिया गया था जब भारत और अरब लीग (एलएएस) ने संवाद प्रक्रिया को संस्थागत रूप देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। अरब-भारत सहयोग मंच की स्थापना के लिए एक सहयोग ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे, जो तत्कालीन अरब लीग के महासचिव अमरे मूसा की दिसंबर 2008 में भारत यात्रा के दौरान हुआ था, जिसे बाद में 2013 में संरचनात्मक संगठन के संदर्भ में संशोधित किया गया था। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत 22 सदस्य देशों वाले अखिल अरब निकाय, अरब लीग का पर्यवेक्षक है।

यह पहली भारत-अरब विदेश मंत्रियों की बैठक है जिसकी मेजबानी भारत नई दिल्ली में कर रहा है और इसमें सभी 22 अरब देशों के विदेश मंत्री, अन्य मंत्री, राज्य मंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा अरब लीग भाग लेंगे। विदेश मंत्रालय ने आगे बताया कि इस बैठक से पहले 30 जनवरी 2026 को चौथी भारत-अरब वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक होगी।

एपस्टीन फाइल ने हिला दी सियासत, इजरायल के इशारे पर काम करते थे ट्रंप

वांशिगटन। जेफरी एपस्टीन से संबंधित फाइलों के नवीनतम बैच में नए आरोप सामने आए हैं। एफबीआई की एक रिपोर्ट में एक 'विश्वसनीय' गोपनीय मानव स्रोत (सीएचएस) का हवाला देते हुए दावा किया गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को इजराइल द्वारा प्रभावित किया गया है। रिपोर्ट में आगे आरोप लगाया गया है कि ट्रम्प के दामाद, जेरेड कुशनर ने अपने पहले कार्यकाल में ट्रम्प के संगठन और राष्ट्रपति पद के कामकाज पर अत्यधिक प्रभाव डाला था। इस सनसनीखेज दस्तावेज़ में यह भी दावा किया गया है कि कुशनर के परिवार के भ्रष्टाचार, रूसी धन प्रवाह और अति-ज़ायोनी चाबाद नेटवर्क से संबंध थे। रिपोर्ट में कुशनर के पारिवारिक इतिहास का भी पुनरावलोकन किया गया है, जिसमें बताया गया है कि उनके पिता को पहले वित्तीय मामलों में दोषी ठहराया गया था, लेकिन बाद में ट्रंप ने उन्हें राष्ट्रपति क्षमादान दे दिया था।

सीएचएस ने दावा किया कि कुशनर ने रूसी निवेश की बड़ी रकम को इधर-उधर स्थानांतरित किया और रूसी राज्य से जुड़े संस्थानों से संबंधित हितों का ठीक से खुलासा नहीं किया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि रियल एस्टेट निवेश प्लेटफॉर्म कैडर में कुशनर की हिस्सेदारी को चिंता का विषय बताया गया है, और सूत्र ने सवाल उठाया है कि क्या रूसी धन को बिचौलियों के माध्यम से अमेरिकी परियोजनाओं में लगाया गया था। इसके अलावा, एफबीआई की रिपोर्ट में ट्रंप के रियल एस्टेट सौदों पर पहले की रिपोर्टों का हवाला दिया गया, जिसमें विवादित बेवर्ली हिल्स हवेली का सौदा भी शामिल है, जिसमें ट्रंप ने लगभग 41 मिलियन अमेरिकी डॉलर में एक संपत्ति खरीदी और बाद में उसे विदेशी संबंधों वाली एक फर्जी कंपनी को 95 मिलियन अमेरिकी डॉलर में बेच दिया। सीएचएस ने इस सौदे को विसंगतियों और संदेहास्पद संकेतों से युक्त बताया, जिसकी अपारदर्शी वित्तीय लेनदेन के व्यापक पैटर्न के हिस्से के रूप में गहन जांच की आवश्यकता थी।

रिपोर्ट में जेफरी एपस्टीन के वकील एलन डर्शोविट्ज़ का भी नाम था। सीएचएस ने एफबीआई को बताया कि डर्शोविट्ज़ को मोसाद ने अपने साथ मिला लिया था और उन्होंने प्रतिष्ठित संस्थानों में अपने प्रभाव का इस्तेमाल इज़राइली खुफिया उद्देश्यों के लिए धनी और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली छात्रों को तैयार करने में किया था, फाइलों से यह खुलासा हुआ। इसमें यह भी कहा गया कि एपस्टीन, जो कि यौन अपराध के दोषी थे और अब इस मामले में दोषी हैं, के बारे में सूत्रों का व्यापक संदेह था कि वैश्विक राजनीतिक और वित्तीय नेटवर्क तक उनकी पहुंच के आधार पर उन्हें भी इसी तरह इस्तेमाल किया गया था। अमेरिकी न्याय विभाग ने कहा है कि उसने एपस्टीन जांच से संबंधित 30 लाख से अधिक पन्नों की सामग्री, 2,000 से अधिक वीडियो और लगभग 180,000 तस्वीरें सार्वजनिक कर दी हैं। उप अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने कहा कि दस्तावेजों की विस्तृत आंतरिक समीक्षा के बाद यह सामग्री जारी की गई है। ट्रम्प, जिनके 1990 के दशक और 2000 के दशक के शुरुआती वर्षों में जेफरी एपस्टीन के साथ सामाजिक संबंध थे, लेकिन बाद में उनके रिश्ते खराब हो गए, उन पर एपस्टीन के अपराधों के संबंध में कभी भी औपचारिक रूप से आरोप नहीं लगाया गया है।

अमेरिका से ट्रेड़ डील, भारत ने दिखाया गजब का तेवर, टाइट कर दिया पूरा माहौल

नई दिल्ली। भारत और यूरोप ने ट्रेड डील कर लिया। इसके बाद दुनिया के कई देश बेचैन हो गए। इन बेचैन देशों में पाकिस्तान भी है जिसे लग रहा है कि उसका बाजार खराब हो रहा है। अब सवाल यह कि क्या भारत ने ईयू के साथ ट्रेड डील करके अमेरिका का भी हिसाब कर दिया है और अमेरिका के आगे भारत को एक अपर एडवांटेज मिल गया है। क्योंकि अमेरिका और भारत के बीच अब तक ट्रेड वार्ता फाइनल नहीं हो पाया। पीयूष गोयल से यह सवाल हुआ कि हमारी डील अमेरिका से कब तक हो पाएगी और कैसी हो पाएगी? उनका सीधा जवाब है यानी कि अमेरिका को तेवर दिखाते हुए भारत कह रहा है कि जब तक यह सौदा भारत के फायदे में नहीं होगा, भारत को इससे लाभ नहीं होगा। हमारे लोगों को इस डील से राहत नहीं मिलेगी तब तक हम इस पर बातचीत जारी रखेंगे और सबसे बड़ी बात यह कि यह बातचीत बिना किसी डेडलाइन के है। अमेरिका के साथ जो डील है क्या वो जल्द हम सुन सकते हैं हो सकती है और क्या क्या सिग्नलिंग क्या ये ईयू और आपकी जो डील हुई है ये सिग्नल है नहीं मैंने कई बार इस बात का जिक्र किया है हर डील हर एफडीए अपने पैरों पे खड़ा होता है अपने उसके फायदे नुकसान देखते हुए भारत तय करता है और कोई भी डील दूसरे डील पर ना तो निर्भर होती है ना कोई डील कोई डेडलाइन के हिसाब से नेगोशिएट की जाती है। जब अच्छी डील हो जाए, दोनों तरफ को फायदा दिखे। बहुत सार्थक बातचीत चल रही है कई देशों के साथ और आपको पूरा विश्वास दिला सकता हूं मैं कि भारत अपने हितों की रक्षा करते हुए नए बाजार भारत के लिए खोलेगा। भारत अपने हितों को आगे बढ़ाने के लिए हमारे निर्यातकों को और मौका देने के लिए और साथ ही साथ हमारे किसान मछुआरे हमारे पशु पशुपालक हमारे लघु उद्योग उनको संरक्षण देते हुए आगे भी नए समझौते करते रहे।

साफ तौर पर भारत ने यह दिखाया है कि वो अमेरिका पर निर्भर नहीं है। ऐसे में भारत यूरोप के साथ-साथ गल्फ देश और फिर दुनिया के कई और देशों से बातचीत कर रहा है। कुछ देशों के साथ वह डील कर चुका है और कई देशों से उसकी यह बातचीत जारी है।

चक्रवात की तबाही से जूझते श्रीलंका की मदद, भारत ने भेजे पुनर्निर्माण के लिए 10 पुल

कोलंबो । चक्रवात दित्वा के बाद पुनर्निर्माण कार्य जारी है, इसी बीच भारत ने महत्वपूर्ण संपर्क व्यवस्था को बहाल करने में सहायता के लिए आईएनएस घरियाल पर सवार होकर कोलंबो के लिए 10 बेली पुलों की खेप भेजी है।

विदेश मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में विवरण साझा करते हुए कहा कि पुलों की यह आपूर्ति भारत के 450 मिलियन अमेरिकी डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज का हिस्सा है, जिसकी घोषणा विदेश मंत्री जयशंकर की श्रीलंका यात्रा के दौरान की गई थी। भारत चक्रवात दित्वा के बाद पुनर्निर्माण कार्यों में अपना समर्थन जारी रखे हुए है। महत्वपूर्ण संपर्क व्यवस्था को बहाल करने में सहायता के लिए, आज विशाखापत्तनम से कोलंबो के लिए आईएनएस घरियाल पर सवार होकर 10 बेली पुलों की खेप भेजी गई। पुलों की यह आपूर्ति भारत के 450 मिलियन अमेरिकी डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज

का हिस्सा है, जिसकी घोषणा विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर की श्रीलंका यात्रा के दौरान की गई थी।

पिछले साल के अंत में श्रीलंका में आए चक्रवात दित्वाह ने व्यापक बाढ़, भूस्खलन और बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया, जिससे स्थानीय आपदा राहत तंत्र पूरी तरह चरमरा गए।

जनवरी की शुरुआत में, भारतीय सेना के इंजीनियर टास्क फोर्स ने श्रीलंका में बी-492 राजमार्ग पर किलोमीटर 15 पर 120 फीट लंबा तीसरा बेली ब्रिज सफलतापूर्वक बना लिया। मध्य प्रांत में स्थित यह पुल कैंडी और नुवारा एलिया जिलों को फिर से जोड़ता है, जिससे चक्रवात दित्वाह के कारण हुई तबाही के बाद एक महीने से अधिक समय तक बाधित रही एक महत्वपूर्ण जीवन रेखा बहाल हो गई है।

यह उपलब्धि जाफना और कैंडी क्षेत्रों में दो बेली पुलों के सफल शुभारंभ के बाद हासिल की गई है। इन इंजीनियरिंग प्रयासों से सामूहिक रूप से सड़क संपर्क बहाल हुआ है, आवश्यक सेवाओं तक पहुंच में सुधार हुआ है और चक्रवात से प्रभावित समुदायों को बेहद जरूरी राहत मिली है। नवंबर 2025 में शुरू किए गए ऑपरेशन सागर बंधु ने भारत को तत्काल मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) प्रदान करने में सक्षम बनाया, जिसमें सड़कों, पुलों और आवश्यक सेवाओं की बहाली शामिल है। बी-492 मार्ग पर तेजी से संपर्क बहाल करके, भारतीय सेना ने न केवल प्रभावित समुदायों के दैनिक जीवन को सुगम बनाया है, बल्कि भारत और श्रीलंका के बीच द्विपक्षीय संबंधों और सद्भावना को भी मजबूत किया है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)